हरिभूमि
हिसार-हांसी भूमि
रोहतक, रविवार 7 जून 2026

12 पूर्व सैनिक ने जहर खाकर की आत्महत्या

12 सावित्री जिंदल ने साधकों संग किया योगाभ्यास

हरियाणा का सबसे बड़ा आयुर्वेदिक हस्पताल

बढ़िया आयुर्वेदिक हस्पताल जिसका आपको इंतजार था-तो अब इंतजार किस बात का

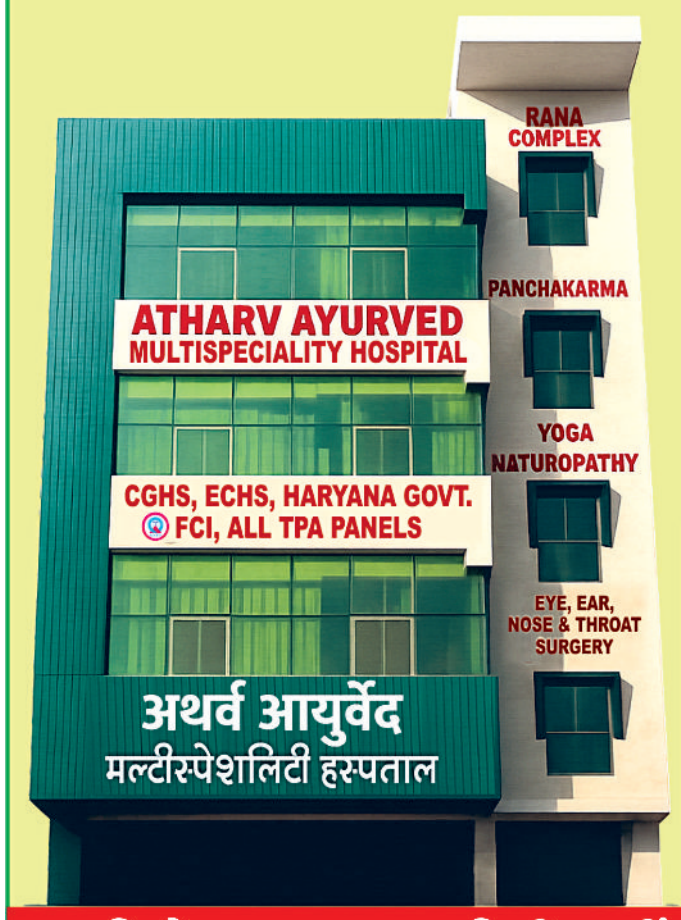

CGHS | ECHS | F.C.I. | Haryana Govt.
सभी प्राइवेट पैनल पर

आयुर्वेद-पंचकर्म-नैचुरोपैथी का संगम

Asli Ayurved With Modern Infra
Ayurved with a Difference-Experience it.

अथर्व™ आयुर्वेद
मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल

छोटूराम स्टेडियम के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक Contact: 01262-257211 8053928881, 8053128881

Dr. Prince | Dr. Sanjeev Madaan | Dr. Danish

सभी पैनल्स आपकी सेवा में
CGHS | ECHS | F.C.I. | Haryana Govt.
1. Star Health
2. ICICI Insurance
3. HDFC Insurance
4. Future General Insurance
5. Bajaj Allianz Insurance
6. SBI General Insurance
7. Care Insurance
8. Aditya Birla Insurance
9. Paramount TPA
10. Universal Sompo
11. Chola MS
12. Reliance General
13. Park Mediclaim & Many Others.

माँ बनने का सपना पूरा करें
बांझपन, बार-बार अबोरशन का समाधान
ट्यूब ब्लॉक, रसौली, फाइब्राइड में आप्रेशन क्यों ?
PCOD/PCOS/ Menstrual Disorders
की टेंशन क्यों ? आयुर्वेद-पंचकर्म से इलाज है
क्वालीफाइड, एक्सपीरियन्सड आयुर्वेदिक स्पैशलिस्ट प्रतिदिन मिलते हैं।
पहले व तीसरे शनिवार फ्री ओ.पी.डी.
सुबह 10:00 बजे से 2:00 बजे तक

बिना चीर फाड़
Anorectal Diseases: Piles, Fissure, Fistula etc.
गुदा रोग: बवासीर, भगंदर, फिशर आदि का
क्षार सूत्र, पंचकर्म से पक्का इलाज, ताकि दोबारा न हो
हर शनिवार फ्री चैकअप सुबह 10: बजे से 2:00 बजे तक
क्षार सूत्र/ प्रोसीजर मात्र Rs.10,000* में
आयें, इलाज करायें- शाम को घर जायें।
इलाज से अगले दिन काम पर जायें।
Qualified Expert प्रतिदिन मिलते हैं
*लैब/ दवा खर्च अलग, बिना दाखिला के

Joints Pain
जोड़ क्यों बदलवायें!
अथर्व में आराम पायें
जोड़ों-कमर दर्द, डिस्क, सरवाईकल, गठिया, लकवा, नसों का फूलना/ कमजोरी आदि में
आयुर्वेद-पंचकर्म-नैथुरोपैथी
पेन किलर → साईडइफैक्टस → नो ईलाज
अथर्व आयुर्वेद
नो साईडइफैक्टस ईलाज

गुर्दे-शुगर-बी. पी.
बीमारी और दवाओं दोनों के साइडइफैक्टस की चिंता छोड़
अथर्व आयुर्वेद आएं
- माईग्रेन, थाइरॉयड, पेशाब, सैक्स रोग
- एसिडिटी, कब्ज, आईबीएस आदि लिवर-पेट रोग
- सोरायसिस, एलर्जी, एग्जिमा आदि चमड़ी रोग
- बच्चों व बड़ों की खाँसी, दमा आदि छाती रोग।

अन्य सभी रोगों का
बिना साइड इफैक्टस समाधान
आयुर्वेद-पंचकर्म-नैचुरोपैथी से।

बिना दवा आराम देने वाले डिपार्टमेन्टस

नये-पुराने सभी दर्दों में अग्निकर्म, रक्तमोक्षण से तुरन्त आराम

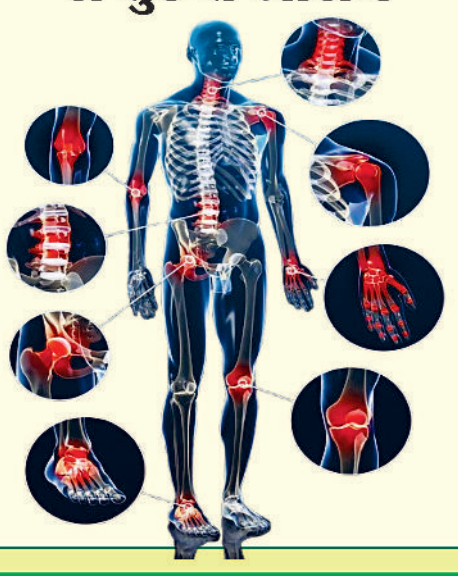

फिज़ीयोथैरेपी
आधुनिक मशीनों एवं क्वाईपफाईड डॉक्टरों द्वारा
जीवन आसान बनायें
दर्द, जकड़न, जोड़ों, मांस-पेशियों नसों की कमजोरी, चोट, ऑप्रेशन के बाद रिकवरी, स्पोर्टस इंजरी, आदि।

तेज रिकवरी
दर्द नहीं
एक्सपर्ट डॉक्टर प्रतिदिन मिलते हैं।

योग नैचुरोपैथी
से
बिना दवा ईलाज

शरीर-मन का संतुलन
रोगों से मुक्ति
स्वस्थ लम्बा जीवन पायें;
योगा- नैचुरोपैथी के डॉक्टर प्रतिदिन मिलते हैं।

खबर संक्षेप

महिला आश्रम में दो दिवसीय योग शिविर का शुभारंभ

हिसार। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में जिला में आयुष विभाग द्वारा विभिन्न स्थानों पर योग शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में कैमरी रोड स्थित मोक्ष वृद्ध एवं महिला आश्रम में दो दिवसीय योग शिविर का शुभारंभ किया गया। विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि यह शिविर आयुष विभाग के जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ धर्मपाल पुनिया के निर्देशानुसार तथा जिला योग कोऑर्डिनेटर डॉ. बलराज एवं योग विशेषज्ञ पूजा के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है।

350 पौधे एवं पक्षियों के लिए सकोरे वितरित

बरवाला। जनसेवार्थ ट्रस्ट द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधा वितरण एवं पर्यावरण जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान के तहत संस्था परिसर में विभिन्न प्रजातियों के लगभग 350 पौधों का वितरण किया गया। साथ ही, भीषण गर्मी को देखते हुए पक्षियों के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु सकोरे भी वितरित किए गए।

भाविप ने पौधरोपण कार्यक्रम में रोपे पौधे

आदमपुर। भारत विकास परिषद, शाखा आदमपुर द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हुडा पार्क में पौधरोपण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। शाखा अध्यक्ष एडवोकेट अनिल गोयल ने बताया कि कार्यक्रम में प्रांतीय संयोजक (पर्यावरण) मानिक मित्तल तथा मनीष गुप्ता (सदस्य, केशव शाखा हिसार) पर्यावरण संयोजक विनोद गोयल एवं प्रकल्प प्रमुख एवं सह सचिव मनोज बंसल के नेतृत्व में परिषद् सदस्यों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

पंचायत ने संभाली पेयजल व्यवस्था की जिम्मेदारी

हिसार। ग्रामीण क्षेत्रों में जल प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने की दिशा में जिले की ग्राम पंचायत ढाड एवं ज्ञानपुरा ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए नई मिसाल कायम की है। बरवाला खंड की ग्राम पंचायत ढाड की सरपंच सुमन तथा ग्राम पंचायत ज्ञानपुरा के सरपंच श्रवण ने पेयजल आपूर्ति व्यवस्था के संचालन एवं रखरखाव से संबंधित समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के जिला सलाहकार विनोद कुमार ने बताया कि बरवाला खंड की ये दोनों पंचायतें जिले की पहली ग्राम पंचायतें बन गई हैं, जिन्होंने हरियाणा सरकार की ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस (ओ एंड एम) पॉलिसी-2026 के तहत गांव की पेयजल आपूर्ति व्यवस्था के संचालन एवं रखरखाव की जिम्मेदारी अपने स्तर पर संभालने का निर्णय लिया है।

सीबीएसई परीक्षा परिणामों की हो उच्च स्तरीय जांच

हिसार। सीबीएसई बोर्ड परीक्षा परिणामों में सामने आ रही गंभीर अनियमितताओं और छात्रों के भविष्य के साथ हो रहे खिलवाड़ पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए जननायक जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि मेहनती और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सिस्टम की खामियों का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।

टाउन पार्क में योग कार्यक्रम आज

हिसार। आयुष विभाग हरियाणा एवं हरियाणा योग आयोग के संयुक्त तत्वावधान में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2026 के अवसर पर 7 जून को प्रातः चौधरी ताऊ देवी लाल टाउन पार्क में विशेष योग कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। उपायुक्त महेंद्र पाल ने बताया कि कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। उनके अतिरिक्त जिले के सभी विधायक भी हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य योग के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

---

51 बच्चों ने पहनी फूल-मालाएं, किया आंदोलन का समर्थन

पीने के पानी की मांग को लेकर चानौत में धरना 22वें दिन भी जारी

हांसी। चानौत में फूल-मालाएं पहनकर धरने में भागीदारी करते बच्चे। फोटो : हरिभूमि

- ग्रामीणों ने दी चेतावनी, मांगे नहीं मानी गई तो जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों पर कराएंगे केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

पीने के पानी की मांग को लेकर चानौत गांव में चल रहा धरना शनिवार को 22वें दिन भी जारी रहा। धरने पर पहली बार बड़ी संख्या में बच्चों ने भी भागीदारी की। धरनास्थल पर 51 बच्चों ने फूल-मालाएं पहनकर आंदोलन को समर्थन दिया और गांव के हक की लड़ाई में एकजुटता दिखाई। नारनौंद विधायक जस्सी पेटवाड़ और अभिमन्यु कोहाड़ ने धरना स्थल पहुंच ग्रामीणों की मांग को न्यायसंगत बताया। उन्होंने कहा कि हर नागरिक को स्वच्छ पेयजल देना सरकार की जिम्मेदारी है। दोनों नेताओं ने कहा कि चानौत की समस्या का जल्द समाधान होना चाहिए। खेतों से निकली पाइपलाइन, गांव प्यासा क्यों धरना कमेटी और ग्रामवासियों का कहना है कि हांसी शहर को पानी पहुंचाने वाली पाइपलाइन किसानों के खेतों से होकर गई है। इसके लिए जमीन खोदी गई। जब उसी पाइपलाइन से हांसी को पानी मिल सकता है तो चानौत गांव को कनेक्शन क्यों नहीं दिया जा रहा।

अधिकारियों पर केस की चेतावनी

ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जनस्वास्थ्य विभाग किसानों की जमीन को हुए नुकसान और अन्य मामलों पर कार्रवाई नहीं करता, तो पब्लिक हेल्थ विभाग के अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज करवाने पर मजबूर होंगे। ग्रामीणों ने दोहराया कि उनका संघर्ष किसी व्यक्ति या संस्था के खिलाफ नहीं, बल्कि अपने अधिकारों के लिए है। धरना कमेटी ने साफ किया कि गांव के सम्मान और पेयजल के अधिकार की यह लड़ाई स्थायी समाधान तक जारी रहेगी।

भाखड़ा नहर से गांव चानौत के लिए अलग पेयजल आपूर्ति लाइन बिछाई जाएगी

हांसी। विधायक विनोद भयाना ने कहा कि चानौत गांव के लोगों को पर्याप्त एवं निर्बाध पेयजल उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सरकार चानौत गांव की पेयजल समस्या के स्थायी समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा किसी भी स्थिति में गांव को पानी की कमी नहीं होने दी जाएगी। लोक निर्माण विभाग विश्रामगृह में पत्रकारों से बातचीत करते हुए विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में लगभग 70 करोड़ रुपये की लागत से हांसी क्षेत्र के लिए भाखड़ा नहर आधारित पेयजल परियोजना पर कार्य किया जा रहा है। इस परियोजना से क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को मजबूती मिलेगी और लोगों को नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि चानौत गांव के लिए भी भाखड़ा नहर से अलग 10 इंच की पाइपलाइन उपलब्ध करवाने का प्रस्ताव रखा गया है। इसके साथ ही अलग बिजली फीडर, 50 एचपी क्षमता की मोटर तथा जनरेटर की व्यवस्था भी की जाएगी ताकि पेयजल आपूर्ति निर्बाध बनी रहे। विधायक विनोद भयाना ने कहा कि सरकार की ओर से चानौत गांव को पानी देने में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी। सरकार गांव को भाखड़ा नहर से पर्याप्त और नियमित पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक सैनी, राजपाल यादव, विधायक विनोद भयाना के सुपुत्र साहिल भयाना, मार्केट कमेटी के प्रधान दिनेश धवन उप प्रधान सुरजीत गुर्जर, राजेश ठकराल, सोनू जांगरा तनुज खुराना, सुभाष यादव सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

सर्व कर्मचारी संघ ब्लॉक हिसार की हुई बैठक

आगामी आंदोलनों में बढ़-चढ़कर भागीदारी का आह्वान

हिसार। सर्व कर्मचारी संघ ब्लॉक हिसार की बैठक शनिवार को सिंचाई विभाग यूनियन कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक प्रधान राजेश बागड़ी ने की, जबकि संचालन ब्लॉक सचिव जय कुमार सिवाच ने किया। बैठक में ब्लॉक प्रभारी अशोक सैनी, नरेश गौतम और सतीश दनोदा ने सकसं के आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए कर्मचारियों से इनमें बढ़-चढ़कर भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि 10 जून को स्कूलिंग कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, 30 जून तक कच्चे कर्मचारियों के फार्म भरवाए जाएंगे, 12 जुलाई को कच्चे कर्मचारियों की कन्वेंशन आयोजित होगी तथा 30 जुलाई को जिला स्तरीय प्रदर्शन किया जाएगा। बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों की कड़ी निंदा की और कर्मचारियों की मांगों के समाधान के लिए एकजुट होकर संघर्ष तेज करने पर जोर दिया। इस अवसर पर राज्य उपप्रधान जयवीर मोर, जिला सचिव ओमप्रकाश माल, ब्लॉक वित्त सचिव रमेश शर्मा, वरिष्ठ उपप्रधान अशोक शर्मा, सह सचिव सुरेंद्र चहल, राजेंद्र, कालूराम, विनोद फौजी, संदीप लाडवा सहित अनेक कर्मचारी नेता एवं सदस्य उपस्थित रहे।

स्वस्थ तन, शांत मन और संतुलित जीवन का आधार है योग : जैन

हांसी। आर्ट ऑफ लिविंग की सीनियर फैकल्टी श्वेता जैन ने कहा है कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक संपूर्ण कला है। भारत की प्राचीन ऋषि परंपरा की यह अमूल्य धरोहर आज सम्पूर्ण विश्व को स्वास्थ्य, शांति और संतुलन का संदेश दे रही है। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय की भागदौड़ भरी जीवनशैली, मानसिक तनाव, अनियमित दिनचर्या और बढ़ती स्वास्थ्य समस्याओं के बीच योग एक प्रभावी समाधान बनकर उभरा है। महर्षि पतंजलि ने योग को चित्तवृत्ति निरोध कहा है, अर्थात मन की चंचल वृत्तियों को शांत करने का साधन। नियमित योगाभ्यास शरीर को स्वस्थ और लचीला बनाता है। साथ ही मन को स्थिर, एकाग्र और सकारात्मक भी करता है। योग के माध्यम से व्यक्ति अपने भीतर छिपी ऊर्जा, आत्मविश्वास और आंतरिक शांति का अनुभव करता है।

हरित भारत मिशन के तहत एक लाख पौधरोपण का संकल्प

हिसार। पौधा लगाते श्रीकृष्ण जैविक खेती गौधाम चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी आनंद राज सिरोही व अन्य। फोटो : हरिभूमि

हिसार। श्रीकृष्ण जैविक खेती गौधाम चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित हरित भारत मिशन के अंतर्गत विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विशेष पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के ट्रस्टी एवं परियोजना निदेशक आनन्द राज सिरोही ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा वर्ष 2026-27 के दौरान एक लाख पौधे लगाने एवं उनके संरक्षण का संकल्प लिया। उन्होंने सभी ग्राम पंचायतों, स्वयं सहायता समूहों, किसान संगठनों, सामाजिक संस्थाओं, युवा एवं महिला मंडलों तथा आम नागरिकों से इस अभियान से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति कम से कम एक पौधा लगाकर उसे वृक्ष बनाने का संकल्प ले।

पौधरोपण करके भाविप केशव शाखा ने पर्यावरण के प्रति किया जागरूक

हिसार। भारत विकास परिषद केशव शाखा ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गुरु गोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय में पौधारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में प्रांतीय संयोजक (पर्यावरण) मानिक मित्तल और जिला आयोजक पर्यावरण गतिविधि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ डॉ. सुनील कुमार की विशेष उपस्थिति रही। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रिंसिपल डॉ. विवेक कुमार सैनी की देखरेख में नीम के पौधों का रोपण किया गया और उनके संरक्षण हेतु ट्री गार्ड लगाए गए। केशव शाखा की ओर से अध्यक्षा अनुपमा अग्रवाल, महिला गतिविधि संयोजक मीनाक्षी शर्मा, सविता जैन और गतिविधि संयोजक पर्यावरण दीपक गौतम, राकेश शर्मा, अशोक वर्मा, मनीष गुप्ता, परवीन बिश्नोई व महाविद्यालय के शिक्षकजनों की उपस्थिति में इस कार्य को किया गया।

अध्यापक संघ का शिक्षा सदन पर प्रदर्शन 9 को

हिसार। हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ ने शिक्षकों की लंबित मांगों और अतिथि अध्यापकों के नियमितीकरण को लेकर 9 जून को शिक्षा सदन, पंचकूला में होने वाले मास डेपुटेशन कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया है। संगठन के अनुसार हिसार जिले से सैकड़ों शिक्षक इस प्रदर्शन में भाग लेंगे। संघ के जिला प्रधान प्रमोद जांगड़ा, जिला सचिव विनोद प्रभाकर, राज्य ऑडिटर पवन कुमार, राज्य उपप्रधान अलका, जिला वित्त सचिव बिजेंद्र सिंह, उपप्रधान विरेंद्र सिंह और भूपेंद्र सिंह ने संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि शिक्षकों की विभिन्न लंबित मांगों के समाधान के लिए यह प्रदर्शन आयोजित किया गया है। शिक्षक नेताओं ने कहा कि संगठन लंबे समय से इन मांगों के समाधान की मांग कर रहा है, लेकिन सरकार और शिक्षा विभाग की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते मांगों का समाधान नहीं किया गया तो 9 जून के प्रदर्शन के दौरान आगामी आंदोलन की घोषणा की जाएगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शिक्षा विभाग और हरियाणा सरकार की होगी।

पर्यावरण को स्वच्छ बनाने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाएं : प्रो. काम्बोज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर म्बोज ने अमलतास का पौधा रोपित करके उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इस अभियान के तहत अधिक से अधिक संख्या में पौधारोपण करने के लिए प्रेरित किया। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना, माताओं के प्रति सम्मान व्यक्त करना तथा जन भागीदारी के माध्यम से वृहद स्तर पर पौधारोपण करना है। 'एक पेड़ मां के नाम' एक प्रयास है जो हमारी मातृभूमि और प्रकृति के प्रति हमारे सम्मान और समर्पण को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य मां के नाम पर पेड़ लगाना और एक स्थाई स्मृति बनाना है जो न केवल पर्यावरण की रक्षा करेगा बल्कि एक हरे और अधिक समृद्ध भविष्य के निर्माण में भी योगदान देगा। इस अवसर पर कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अजय कुमारव कार्यक्रम के आयोजक डॉ अनिल सरोहा भी मौजूद थे। कार्यक्रम के आयोजन में भू-दृश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. अरविन्द मलिक व उनकी टीम ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मुकलान के विजय हुए आईपीएस प्रमोट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। सम्मान समारोह में उपस्थित कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा, आईपीएस विजय जाखड़ एवं अन्य। फोटो : हरिभूमि

नलवा हलके के गांव मुकलान के विजय सिंह जाखड़ पहले आईपीएस अधिकारी प्रमोट हुए हैं, जिनके मुकलान गांव पहुंचने पर ढोल-नगाड़ों, फूल-मालाओं और पगड़ी पहनाकर ग्रामीणों द्वारा जोरदार अभिनंदन किया गया। समारोह में हरियाणा के कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे, जबकि विधायक रणधीर पनिहार के पुत्र भूपेंद्र पनिहार और मार्केट कमेटी के चेयरमैन रविंद्र रोकी भी विशेष रूप से मौजूद रहे। सुनील नंबरदार व समस्त ग्रामीणों द्वारा आयोजित इस भव्य समारोह में सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने विजय सिंह जाखड़ को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा मेहनत व ईमानदारी से काम किया है और आज आईपीएस प्रमोट होकर वे मुकलान गांव के युवाओं के लिए एक बड़े प्रेरणा स्रोत बने हैं।

इंडो-नेपाल फुटबॉल में प्रवेश साहू ने जीता गोल्ड मेडल

नेपाल के पोखरा में लहराया हरियाणा का परचम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उकलाना

क्षेत्र के उभरते हुए युवा खिलाड़ी प्रवेश साहू ने नेपाल के पोखरा में आयोजित इंडो-नेपाल अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता है। इस उपलब्धि से प्रवेश ने न केवल अपने क्षेत्र और जिले का, बल्कि पूरे हरियाणा का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। बता दें कि इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में किया गया था, जिसमें भारत और नेपाल के बेहतरीन खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। गांव पहुंचने पर प्रवेश साहू का जोरदार स्वागत किया गया। हरियाणा से चयनित होने वाले इकलौते खिलाड़ी बने प्रवेश स्वर्ण पदक विजेता प्रवेश साहू ने बताया कि वह इस पूरी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हरियाणा से चयनित होने वाले एकमात्र खिलाड़ी थे। इससे पहले अप्रैल माह में मथुरा (उत्तर प्रदेश) में आयोजित हुई राष्ट्रीय स्तर की फुटबॉल प्रतियोगिता में भी उन्होंने अपनी टीम के लिए स्वर्ण पदक जीता था। नेशनल स्तर पर उनके इसी उत्कृष्ट प्रदर्शन की बदौलत उनका चयन इंडो-नेपाल अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए हुआ था, जहां उन्होंने अपने खेल के दम पर टीम को चैंपियन बनाने में मुख्य भूमिका निभाई।

अग्रसेन महाराज की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

हिसार। अग्रसेन परिवार समिति के सदस्यों ने देवी भवन में स्थित अग्रसेन महाराज के मंदिर में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर आशीर्वाद लिया तथा वहीं गोशाला में सहयोग किया। समिति सुमित मित्तल ने बताया कि समिति द्वारा 7 जून को पड़ाव चौक पर इस भीषण गर्मी से राहत दिलाने हेतु राहगीरों के लिए ठंडे शरबत की छबील लगाई जाएगी। इस अवसर पर सुशील गोयल, सुमित मित्तल, अनिल गुप्ता, संजीव गोयल, वीरभान बंसल, कमल जैन, गौरव गुप्ता, सुनील मित्तल, राजकुमार, चेतन अग्रवाल, अमित बंसल और संदीप गर्ग आदि उपस्थित थे।

15 जून से 14 जुलाई तक चलने वाले मतदाता सत्यापन अभियान की दी जानकारी

भाजपा में छोटा कार्यकर्ता भी पहुंच सकता है सर्वोच्च पद पर : डॉ. गुप्ता

मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। बैठक में उपस्थित पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता व अन्य।

भाजपा हिसार विधानसभा क्षेत्र की बैठक पार्टी जिला कार्यालय में आयोजित की गई, जिसमें शहरी मंडल, अर्बन मंडल तथा सब्जी मंडी मंडल के प्रमुख कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और इस बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं मंच संचालन बीएलए-1 रामचंद्र गुप्ता ने किया तथा इस अवसर पर मेयर प्रवीण पोपली भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस मौके पर डॉ. कमल गुप्ता ने कहा कि भाजपा अन्य राजनीतिक दलों से भिन्न एक विशिष्ट विचारधारा एवं मजबूत संगठनात्मक संरचना वाली पार्टी है जिसमें बूथ अध्यक्ष से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष तक लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत चयनित होते हैं और एक साधारण कार्यकर्ता भी अपनी मेहनत, कर्मठता और योग्यता के बल पर संगठन के सर्वोच्च पदों तक पहुंच सकता है। इसके साथ ही डॉ. गुप्ता ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि मतदाता सत्यापन अभियान के तहत 15 जून से 14 जुलाई तक फॉर्म नंबर-6 भरने का कार्य किया जाएगा और इसके लिए पुराने मतदाता रिकॉर्ड तथा आवश्यक दस्तावेज पहले से तैयार रखने चाहिए ताकि मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित की जा सके, क्योंकि जब प्रत्येक बूथ अध्यक्ष अपने क्षेत्र के सभी परिवारों से आत्मीय संबंध स्थापित कर लेगा, तब संगठन और राष्ट्र दोनों सशक्त होंगे तथा भारत विश्वगुरु बनने के लक्ष्य की ओर तेजी से अग्रसर होगा।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर भाजपा नेता सुरेश गोयल धूप वाला, लोकेश असीजा, राहुल सैनी, दीपक अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

विशेष स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण अभियान के दूसरे दिन समझी वैज्ञानिक निस्तारण की प्रक्रिया

मेयर व पार्षदों ने किया एमआरएफ सेंटर और कचरा प्रोसेसिंग साइट का निरीक्षण

- एक सप्ताह तक चलेगा विशेष अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार चलाए जा रहे सप्ताह भर के विशेष स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण अभियान के दूसरे दिन नगर निगम की ओर से निरीक्षण अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत मेयर प्रवीण पोपली, विभिन्न वार्डों के पार्षद, निगम अधिकारी तथा कर्मचारी सीधे सातरोड़ स्थित एमआरएफ सेंटर, ऑटो मार्केट स्थित एफआरएफ सेंटर और ढूंढर स्थित मुख्य कचरा प्रोसेसिंग साइट पर पहुंचे। पूरी टीम ने वहां संचालित की जा रही कचरा प्रबंधन प्रणाली का जमीनी स्तर पर बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण अभियान के दौरान पार्षद नरेश ग्रेवाल, पार्षद संजय डालमिया, पार्षद प्रतिनिधि बिजेन्द्र शर्मा तथा डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण से जुड़ी दोनों एजेंसियों के प्रतिनिधि व एसआई कपिल सहित एएसआई मुख्य रूप से मौजूद रहे।

हिसार। निरीक्षण करते मेयर प्रवीण पोपली, पार्षद व अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

ट्रोमल मशीन से ऐसे अलग होता है कचरा

अभियान के अंतिम चरण में पूरी टीम ढूंढर स्थित मुख्य कचरा प्रोसेसिंग साइट पर पहुंची, जहां संबंधित एजेंसी के प्रतिनिधियों ने आधुनिक ट्रोमल मशीन के माध्यम से सूखे कचरे के सेग्रीगेशन (पृथक्करण) की लाइव तकनीक दिखाई। उन्होंने जनप्रतिनिधियों को बताया कि इस मशीन के जरिए कचरे को तीन मुख्य श्रेणियों में अलग किया जाता है।

पहली श्रेणी में आता है बारीक कचरा
इसमें धूल, मिट्टी और कंक्रीट जैसे पदार्थ आते हैं। यह कचरा शुरुआती जाली से छनकर नीचे गिर जाता है, जिसका उपयोग जैविक खाद, गड्ढों के भराव या जमीन के समतलीकरण कार्यों में किया जाता है।

दूसरी श्रेणी में मध्यम आकार का कचरा
इसमें पॉलीथिन, सूखा कागज, गत्ता और कपड़ा शामिल हैं। यह पूरी तरह से ज्वलनशील कचरा होता है, जिसे विभिन्न उद्योगों के लिए ईंधन (आरडीएफ) के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।

तीसरी श्रेणी में बड़े आकार का कचरा
इसमें पत्थर के टुकड़े, भारी लकड़ी और धातुएं शामिल होती हैं। यह सामग्री जाली से पार नहीं हो पाती और ड्रम के पिछले हिस्से से बाहर निकल जाती है, जिसे बाद में रिसाइक्लिंग के लिए भेजा जाता है।

सातरोड़ और ऑटो मार्केट में परखी व्यवस्था

निरीक्षण की शुरुआत में मेयर और पार्षदों की टीम सबसे पहले सातरोड़ स्थित एमआरएफ सेंटर पहुंची, जहां वार्ड 11 से 20 तक का कचरा एकत्रित किया जाता है। वहां मौजूद अतिरिक्त निगमायुक्त डॉ. प्रदीप हुड्डा ने कचरे के संग्रहण और निस्तारण की पूरी वैज्ञानिक प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शहर के घरों, संस्थानों, बाजारों और रेहड़ियों से एकत्रित गीला और सूखा कचरा यहां लाया जाता है। इसके बाद सूखे कचरे से रैक पीकर्स की सहायता से गत्ता, प्लास्टिक, रबड़ और अन्य उपयोगी वस्तुओं को अलग कर लिया जाता है तथा शेष बचे हुए कचरे को आगे प्रोसेसिंग साइट पर भेजा जाता है, जबकि गीले कचरे से उत्तम श्रेणी की कम्पोस्ट खाद तैयार की जाती है। इसके तुरंत बाद टीम ने ऑटो मार्केट स्थित एफआरएफ सेंटर का भी दौरा किया, जहां इसी व्यवस्था को जांचा गया।

पर्यावरण संरक्षण में बड़ा कदम

निरीक्षण के अंत में मौजूद सभी जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने ट्रोमल मशीन की इस पूरी कार्यप्रणाली को बेहद करीब से देखा। मेयर प्रवीण पोपली और पार्षदों ने शहर के कचरे के इस वैज्ञानिक निस्तारण और रिसाइक्लिंग की आधुनिक प्रक्रिया की सराहना की।

ठोस कचरा प्रबंधन को लेकर नगर निगम ने जारी किया टेंडर

हिसार। शहर में ठोस कचरा प्रबंधन व्यवस्था को और अधिक प्रभावी तथा वैज्ञानिक बनाने की दिशा में नगर निगम ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। निगमायुक्त नीरज ने बताया कि नगर निगम द्वारा ठोस कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण एवं पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए ई-टेंडर आमंत्रित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि क्लस्टर स्तर पर हिसार, बरवाला, उकलाना, हांसी, नारनौंद और सिवानी क्षेत्रों में उत्पन्न होने वाले ठोस कचरे की प्रोसेसिंग के लिए टेंडर जारी किए गए हैं। इस परियोजना का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों से एकत्रित कचरे का व्यवस्थित एवं वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधन करना है, जिससे स्वच्छता व्यवस्था को और मजबूती मिलेगी।

न्यूज डायरी

वेदा हॉस्पिटल में चला पौधरोपण अभियान, डॉक्टरों ने दिया पर्यावरण और स्वास्थ्य सुरक्षा का संदेश

हिसार। सेक्टर 16-17 स्थित 'वेदा हॉस्पिटल' में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष पौधरोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान के तहत अस्पताल परिसर में विभिन्न प्रकार के छायादार और फलदार पौधे लगाए गए। इस पहल की खास बात यह रही कि अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मचारियों ने अपनी व्यस्त ओपीडी और क्लीनिकल शेड्यूल्स से समय निकालकर खुद अपने हाथों से पौधरोपण किया और समाज को प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया। इस पौधारोपण अभियान का नेतृत्व देश के सुप्रसिद्ध जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. ललित मोहन बंसल, महिला एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञा डॉ. मिनाक्षी बंसल, आईवीएफ स्पेशलिस्ट डॉ. मीनू देसवाल भाकर, सामान्य रोग विशेषज्ञा डॉ. वनिता गोयल हृदय रोग विशेषज्ञ, डॉ. अनुज गोयल व डॉ. विनोद सिंगला, और वरिष्ठ कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. रमेश कासवान ने संयुक्त रूप से किया। इनके साथ ही अस्पताल के स्टाफ और प्रशासनिक अधिकारियों ने भी इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

महारानी लक्ष्मीबाई त्रिलोकचंद स्कूल में बच्चों को दिया एआई प्रशिक्षण

हिसार। महारानी लक्ष्मीबाई त्रिलोकचंद स्कूल, भिवानी रोहिल्ला में कम्प्यूटेशनल थिंकिंग एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस: फ्रॉम प्ले टू एब्स्ट्रैक्शन–प्रोग्रेसिव पेडागॉजी फॉर कम्प्यूटेशनल थिंकिंग फॉर प्रिपरेटरी स्टेज विषय पर एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के 40 शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षण सत्र के दौरान 11 शिक्षकों ने कम्प्यूटेशनल थिंकिंग, एल्गोरिदमिक सोच, पैटर्न पहचान, समस्या समाधान, डेटा विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के शैक्षिक अनुप्रयोग, खेल-आधारित शिक्षण तथा नवाचारपूर्ण शिक्षण पद्धतियों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम के मूल्यांकन एवं मार्गदर्शन के लिए गठित विशेषज्ञ समिति में एआई विशेषज्ञ आनंद कुमार, महारानी लक्ष्मीबाई कॉलेज प्राचार्या डॉ. शमीम शर्मा तथा स्कूल के तकनीकी विशेषज्ञ डॉ. अजीज प्रधान शामिल रहे।

श्री काली देवी विद्या मंदिर में कहानी कथक की तकनीक से कराया रूबरू

हांसी। श्री काली देवी विद्या मंदिर में शनिवार को सीबीएसई के तत्वावधान में एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय स्टोरी टेलिंग ऑन पेडागोजी था, जिसका उद्देश्य शिक्षकों को कहानी-कथन की प्रभावी शिक्षण विधियों से रूबरू कराना था। कार्यक्रम में श्वेता अरोड़ा एवं रोहतास सिंह ने रिसोर्स पर्सन के रूप में शिरकत की। उन्होंने बताया कि कहानी-कथन के माध्यम से विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को अधिक रोचक, प्रभावी और सहभागितापूर्ण कैसे बनाया जा सकता है। विभिन्न उदाहरणों, गतिविधियों और व्यावहारिक तकनीकों के जरिए शिक्षण में स्टोरी टेलिंग के महत्व को स्पष्ट किया गया। विद्यालय के सभी शिक्षकों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी और ज्ञानवर्धक बताया।

बिना नंबर की बोलेरो ने दो बाइकों को मारी टक्कर

हिसार। जिले में गांव गंगवा और आर्यनगर के बीच कॉसमॉस स्कूल के पास शुक्रवार रात एक तेज रफ्तार बिना नंबर की बोलेरो गाड़ी ने दो बाइक सवारों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान आर्यनगर निवासी श्रवण कुमार और गंगवा निवासी सन्नी के रूप में हुई है। दोनों घायलों को शहर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसा इतना जबरदस्त था कि टक्कर लगते ही दोनों बाइक सवार सड़क पर दूर जा गिरे। वारदात को अंजाम देने के बाद बोलेरो चालक गाड़ी को आर्यनगर की तरफ मोड़कर तेज रफ्तार में फरार हो गया। वहां मौजूद कुछ राहगीरों और लोगों ने अपने वाहनों से बोलेरो का पीछा भी किया, लेकिन आरोपी हाथ नहीं आए और अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में कामयाब रहे।

बच्चों को योग, प्राणायाम और श्रेष्ठ संस्कारों से जोड़ने का आह्वान

हिसार। भारत स्वाभिमान न्यास, पतंजलि योग समिति, महिला पतंजलि योग समिति, युवा भारत तथा पतंजलि परिवार के संयुक्त तत्वावधान में ठाकुरदास भार्गव सीनियर सेकेंडरी स्कूल के सरस्वती हॉल में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस दौरान आगामी 7 जून से शुरू होने वाले 15 दिवसीय 'असिस्टेंट योग टीचर ट्रेनिंग कैंप और 'बाल संस्कार एवं चरित्र निर्माण शिविर की विस्तृत जानकारी दी गई। **स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग रहेगा थीम** भारत स्वाभिमान न्यास एवं पतंजलि योग समिति के प्रवक्ता सुरेन्द्र पानू हिन्दुस्तानी ने बताया कि इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य विषय स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग रखा गया है। उन्होंने कहा कि यह विषय केवल बुजुर्गों तक सीमित नहीं है। यदि बचपन से ही बच्चों को योग और श्रेष्ठ संस्कारों से जोड़ा जाए, तो उनका यौवन सशक्त, जीवन संतुलित और वृद्धावस्था आनंदमय बन सकती है। भारत स्वाभिमान न्यास के जिला प्रभारी डॉ. मुकेश कुमार ने कहा कि बढ़ती जीवनशैली संबंधी बीमारियों और मानसिक तनाव के बीच योग ही मानवता को संतुलित जीवन दे सकता है। पतंजलि परिवार का उद्देश्य हर घर तक योग पहुंचाकर एक जागरूक समाज का निर्माण करना है। वहीं, पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी वीरेन्द्र बड़ाला ने युवाओं से आह्वान किया कि वे इस प्रशिक्षण शिविर में भाग लेकर स्वयं को योग शिक्षक के रूप में तैयार करें और समाज में स्वास्थ्य क्रांति के वाहक बनें।

बच्चों के व्यक्तित्व विकास एवं रचनात्मक सोच को नई दिशा देते हैं कला शिविर: डॉ. सैनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

आकार वेलफेयर सोसासटी की ओर से ओपी जिंदल ज्ञान केंद्र पार्क में चल रहे आठ दिवसीय निशुल्क समर आर्ट कैंप रंगोत्सव 2026 कैंप के सातवें दिन मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत समाज कल्याण अधिकारी डॉ. दलबीर सैनी ने शिरकत की। उन्होंने बच्चों द्वारा बनाई गई कलाकृतियों का अवलोकन कर सराहना की तथा सृजनात्मक क्षमता को निरंतर विकसित करने के लिए प्रेरित किया। डॉ. दलबीर सिंह ने कहा कि इस प्रकार के कला शिविर बच्चों के व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास, कल्पना शक्ति एवं रचनात्मक सोच को नई दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने समाज में कला एवं संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए आकार वेलफेयर सोसायटी के प्रयासों की प्रशंसा की। सोसाइटी के पदाधिकारियों ने बताया कि कैंप का उद्देश्य बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान करना तथा उन्हें कला के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना है। समापन समारोह के दौरान मुख्य अतिथि द्वारा सभी प्रतिभागी बच्चों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कैंप का समापन समारोह 7 जून को किया जाएगा। समापन समारोह के अवसर पर कैंप में बच्चों द्वारा तैयार की गई पेंटिंग्स, हस्तशिल्प, क्राफ्ट एवं अन्य रचनात्मक कलाकृतियों की विशेष प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

जॉकी शोरूम मैनेजर हत्या मामले में फरार आरोपी साहिल पर पांच हजार का इनाम घोषित

हांसी। थाना सदर हांसी में दर्ज एनएच-10 मार्केट स्थित जॉकी शोरूम के मैनेजर सूरज जैन हत्या के मामले में फरार चल रहे वांछित आरोपी साहिल बामल पर पुलिस ने पांच हजार का नकद इनाम घोषित किया है। आरोपी की गिरफ्तारी में मदद करने या पुख्ता सूचना देने वाले को यह इनाम दिया जाएगा। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि एनएच -10 मार्केट स्थित जॉकी शोरूम के मैनेजर की चाकू मारकर हत्या करने वाले आरोपी साहिल बामल को पकड़ने के लिए रेंज के पुलिस महानिरीक्षक कुलदीप सिंह के आदेश पर पांच हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया है। वांछित आरोपी की पहचान हिसार निवासी साहिल बामल के रूप में हुई है। वह सूरज जैन हत्या केस में वांछित है और गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार चल रहा है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि वांछित अपराधियों के खिलाफ विशेष अभियान चला रही है। पुलिस की 6 टीमों द्वारा आरोपी के संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। साथ ही तकनीकी माध्यमों से भी उसकी तलाश जारी है। पुलिस अधीक्षक ने आमजन से अपील की है कि अगर आरोपी साहिल बामल के बारे में कोई जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

एचएसबी की शोधार्थी मोनिका अल्हान को मिला सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र का अवार्ड

- 12 शोधार्थियों ने आईआईएम काशीपुर में कॉन्फ्रेंस में लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस (एचएसबी) के शोधार्थियों ने आईआईएम काशीपुर में आयोजित कॉन्फ्रेंस में शानदार प्रदर्शन किया है। इस कॉन्फ्रेंस में एचएसबी के 12 शोधार्थियों ने भाग लिया और दस शोध पत्र प्रस्तुत किए। शोधार्थी मोनिका अल्हान के शोध पत्र को सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र घोषित किया गया। कॉन्फ्रेंस में भाग लेने वाले शोधार्थी कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई से मिले। इस अवसर पर एसएसबी के निदेशक प्रो. संजीव कुमार भी उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने इस उपलब्धि के लिए विभाग तथा शोधार्थियों को बधाई दी तथा उन्हें भविष्य में और उत्कृष्ट शोध करने के लिए प्रेरित किया। एचएसबी के निदेशक संजीव कुमार ने बताया कि एक महीने की अवधि में ही मोनिका का शोधपत्र दूसरी बार श्रेष्ठ शोध पत्र घोषित किया गया है। उन्होंने बताया कि कॉन्फ्रेंस में शोधार्थियों ने मेटावर्स और अन्य उभरती तकनीकों जैसे समकालीन विषयों पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

छात्रों पर की गई कार्रवाई दुर्भाग्यपूर्ण : मनदीप बिश्नोई

हिसार। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में छात्रों की आवाज उठाने वाले विद्यार्थियों पर की गई कठोर कार्रवाई अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। छात्रों ने फीस वृद्धि, छात्र समस्याओं और अपने अधिकारों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखी थी, लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन ने उनकी समस्याओं का समाधान करने के बजाय दमनात्मक रवैया अपनाया है। यह बात छात्र हित महापंचायत समिति के सदस्य एडवोकेट मनदीप बिश्नोई ने छात्रों पर की गई कार्रवाई पर प्रतिक्रिया जताते हुए कही। उन्होंने कहा कि दो छात्रों को आजीवन प्रतिबंधित करना तथा अन्य छात्रों को दो वर्षों तक प्रवेश से वंचित करना शिक्षा के अधिकार पर सीधा हमला है। किसी भी विश्वविद्यालय का उद्देश्य छात्रों को शिक्षित करना और उनकी समस्याओं का समाधान करना होना चाहिए, न कि उनकी आवाज को दबाना। समिति ने मांग की है कि सभी छात्रों पर लगाए गए प्रतिबंध तुरंत वापस लिए जाएं और छात्रों को जारी किए गए नोटिस निरस्त किए जाएं।

ओएसजीयू में विश्व पर्यावरण दिवस पर रोपे गए विभिन्न प्रकार के पौधे

हिसार। ओम स्टर्लिंग ग्लोबल विश्वविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रकार के छायादार और फलदार पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. पुनीत गोयल और उप-कुलाधिपति डॉ. पूनम गोयल उपस्थित रहे। उन्होंने संयुक्त रूप से पौधा लगाकर कार्यक्रम की शुरुआत की और सभी लोगों को पर्यावरण को स्वच्छ व हरा-भरा बनाने का संकल्प दिलाया। विश्वविद्यालय का एग्रीकल्चर विभाग परिसर की हरियाली को संवारने में लगातार बेहतरीन कार्य कर रहा है। विभाग द्वारा समय-समय पर जागरूकता रैलियों का आयोजन भी किया जाता है, जिनके माध्यम से आम जनमानस को पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन और पेड़-पौधों के महत्व के प्रति जागरूक किया जाता है। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एन. पी. कौशिक और ग्रुप सीओओ एंड प्रोवोस्ट डॉ. अजय के. पोद्दार ने विशेष रूप से शिरकत की।

गैबीपुर में नन्हें खिलाड़ियों ने 100 औषधीय व छायादार पौधे लगाए

बरवाला। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में गांव गैबीपुर स्थित सुभाष चंद्रा फाउंडेशन एथलेटिक्स ट्रेनिंग सेंटर में पौधारोपण अभियान चलाया गया। अभियान में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, प्रशिक्षकों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। इस अवसर पर नन्हे खिलाड़ियों और युवाओं ने मिलकर उत्साह के साथ लगभग 100 औषधीय और छायादार पौधे लगाए। सरपंच पवन मेहता ने कहा कि सुभाष चंद्रा फाउंडेशन एथलेटिक्स ट्रेनिंग सेंटर में आज जो पहल बच्चों ने की है, वह काबिले तारीफ है। अभियान के मुख्य अतिथि पंचायत सचिव राजपाल सिंह ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण का संतुलन बनाए रखना आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है। इस अवसर पर हैप्पी, राकेश, गौरव, कार्तिक, सोरब , हिमानी, हिना, काफी, मंजु, दिक्षा व ख़ुशबू समेत अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

विकास विधायक विनोद भयाना ने किया जीर्णोद्धार कार्य का शुभारंभ, तीन माह में होगा पूरा

साढ़े 47 लाख रुपये से संवरेगा महाराजा अग्रसेन चौक

- हांसी के सौंदर्यीकरण और यातायात व्यवस्था को मिलेगी नई पहचान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

हांसी-जींद रोड स्थित महाराजा अग्रसेन चौक के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण कार्य का शनिवार को विधायक विनोद भयाना ने नारियल तोड़कर विधिवत शुभारंभ किया। लगभग साढ़े 47 लाख रुपये की लागत से होने वाले इस विकास कार्य को तीन माह के भीतर पूरा किया जाएगा। चौक के पुनर्निर्माण से न केवल शहर की सुंदरता में वृद्धि होगी, बल्कि यातायात व्यवस्था भी अधिक सुगम और सुरक्षित बनेगी। चौक के पुनर्निर्माण के दौरान आधुनिक डिजाइन, आकर्षक लाइटिंग एवं सौंदर्यीकरण संबंधी कार्य भी किए जाएंगे, जिससे यह चौक शहर का एक प्रमुख आकर्षण केंद्र बनेगा।

विधायक विनोद भयाना ने इस अवसर पर कहा कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में शहरों और गांवों के समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। हांसी शहर के प्रमुख प्रवेश द्वारों और महत्वपूर्ण चौकों को आधुनिक स्वरूप देने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि महाराजा अग्रसेन चौक शहर की पहचान से जुड़ा हुआ स्थान है और इसके जीर्णोद्धार से नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलने के साथ-साथ शहर की छवि भी और अधिक आकर्षक बनेगी।

हांसी। नारियल तोड़कर महाराजा अग्रसेन चौक के जीर्णोद्धार कार्य का शुभारंभ करते विधायक विनोद भयाना। फोटो : हरिभूमि

चौक से शराब के ठेके को हटाने की मांग

इस दौरान अग्रवाल समाज के प्रतिनिधियों ने विधायक विनोद भयाना के समक्ष महाराजा अग्रसेन चौक के निकट स्थित शराब के ठेके को हटाने की मांग रखी। समाज के लोगों ने कहा कि महाराजा अग्रसेन के नाम से बने चौक के समीप शराब का ठेका होना सामाजिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से उचित नहीं है। मांग को गंभीरता से लेते हुए विधायक विनोद भयाना ने मौके पर ही संबंधित विभाग के उच्च अधिकारियों से मोबाइल फोन पर बातचीत की तथा ठेके को अन्यत्र स्थानांतरित करने के संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर पूर्व मंत्री सुभाष गोयल, नगर परिषद चेयरमैन प्रवीण इलाहाबादी, राजपाल यादव, मार्केट कमेटी के प्रधान दिनेश धवन, उपप्रधान सुरजीत गुर्जर, सब्जी मंडी एसोसिएशन के प्रधान अनिल चावला, नगर परिषद के वाइस चेयरमैन अनिल बंसल, प्रवीन तायल, तनुज खुराना, सुनील सिंगला, सुभाष यादव, सुनील सिंगला, सोनू जांगड़ा, नवीन ठाकुर, जयदीप सैनी, रवि अरोड़ा सहित शहर के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

पीरांवाली में 5.300 ग्राम चिट्टा सहित आरोपी काबू

हिसार। स्वेट टीम-1 एवं डॉग स्कवायड की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए गांव पीरांवाली से एक नशा तस्कर के कब्जे से 5 ग्राम 300 मि.ग्राम ग्राम हेरोइन बरामद की है। पुलिस टीमों द्वारा क्षेत्र में सघन चेकिंग एवं संदिग्ध व्यक्तियों की निगरानी की जा रही थी। इसी दौरान प्राप्त सूचना एवं जांच के आधार पर गांव पीरांवाली निवासी हरमीत के मकान की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 5 ग्राम 300 मि.ग्राम हेरोइन बरामद हुई। आरोपी को गिरफ्तार करके उसके खिलाफ सदर थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

बाइक चोरी मामले में सह आरोपी गिरफ्तार

हिसार। सदर पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के मामले में सह आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान खेदड़ गांव निवासी चन्द्र मोहन के रूप में हुई है। सदर थाना से उप निरीक्षक दयाराम ने बताया कि इस संबंध में मिलगेट रोड निवासी राजकुमार ने शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत के अनुसार गत 24 मई को को शाम वह ब्लू बर्ड लेक पर मछलियों को दाना डालकर बाहर आया। इसी दौरान दो अज्ञात लड़के उसकी नीले रंग की हीरो होंडा स्प्लेंडर डीलक्स मोटरसाइकिल चोरी करके हांसी की तरफ भाग गए।

दानपात्र से चोरी करने वाला काबू, भेजा जेल

हिसार। आदमपुर पुलिस ने शराब ठेके में रखे दानपात्र से चोरी करने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर चोरीशुदा राशि बरामद की है। आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थाना प्रभारी डीएसपी प्रिया शर्मा ने बताया कि शराब ठेकेदार जसविन्द्र की शिकायत पर दानपात्र से नकदी चोरी होने के संबंध में मामला दर्ज किया गया था। शिकायत के बाद पुलिस टीम ने मामले की जांच करते हुए चोरी के इस मामले में चौधरीवाली निवासी सुशील को गिरफ्तार कर लिया।

शहर पुलिस ने पीओ किया गिरफ्तार

हिसार। शहर थाना पुलिस ने एक पीओ को गिरफ्तार किया है। एएसआई विनोद कुमार ने बताया कि पकड़े गए आरोपी की पहचान फतेहाबाद जिले के शहीदांवाली निवासी नरेन्द्र के रूप में हुई है । आरोपी पीओ इससे पहले अदालत से एनआईए एक्ट में पीओ घोषित था। आरोपी को अदालत में पेश किया गया जहां से उसे जमानत पर रिहा किया गया।

गंडासी से हमला करने के मामले में एक काबू

हिसार। अर्बन एस्टेट थाना पुलिस ने सातरोड़ में हुई मारपीट और गंडासी से हमला करने के मामले में मुख्य आरोपी हिसार की शिव कॉलोनी निवासी सुरजीत को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में तीन किशोर पहले से काबू कर लिए गए। है। थाना अर्बन एस्टेट से मुख्य सिपाही रमेश कुमार ने बताया कि इस संबंध में शिव कॉलोनी निवासी पीड़ित नीरज ने शिकायत दी थी। शिकायत के अनुसार आरोपियों ने सातरोड़ में उसका रास्ता रोककर मारपीट की व गंडासी से हमला किया।

सुसाइड नोट में दो महिलाओं सहित 4 लोगों पर 5 करोड़ हड़पने का आरोप

पूर्व सैनिक ने जहर खाकर की आत्महत्या

आरोपियों से मिल रही थी धमकियां, रुपये लेकर प्रॉपर्टी ट्रांसफर करने के नाम पर किया धोखा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

हिसार चुंगी के समीप स्थित विकास नगर कॉलोनी में एक पूर्व सैनिक ने जहर खाकर आत्महत्या किए जाने का मामला

- विकास नगर में आरोपी के घर मिला शव

प्रकाश में आया है। सूचना मिलने पर डीएसपी विनोद शंकर, शहर थाना के कार्यवाहक प्रभारी एसआई बलवान सिंह व फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंच घटनास्थल से साक्ष्य एकत्रित कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचाया जहां मृतक की पहचान भगाना व हाल हिसार कैंट निवासी 63 वर्षीय सुंदर पंघाल के रूप में हुई है।

पुलिस ने मृतक सुंदर पंघाल के बेटे एडवोकेट मनजीत सिंह के बयान पर 4 आरोपियों के खिलाफ आत्महत्या के लिए मजबूर किए जाने की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप मामले की जांच आरंभ कर दी है। पुलिस को मृतक सुंदर पंघाल की पैंट की जेब से सुसाइड नोट बरामद हुआ है, सुसाइड नोट में सुंदर पंघाल ने दो महिलाओं सहित 4 लोगों को अपनी मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया है।

हांसी। रिटायर्ड फौजी सुसाइड मामले में छानबीन करती पुलिस टीम।

शुक्रवार शाम से लापता थे, सुबह मिली मौत की खबर

नागरिक अस्पताल में मौजूद मृतक के बेटे एडवोकेट मनजीत ने बताया कि उनके पिता शुक्रवार शाम करीब 6 बजे घर से निकले थे। रात 8 बजे संपर्क करने पर उनका मोबाइल बंद मिला। बुधवार सुबह दोबारा कॉल करने पर फोन तो चालू था, लेकिन बात नहीं हो सकी। सुबह करीब 7 बजे परिवार को आत्महत्या की सूचना मिली।

4-5 करोड़ रुपये फंसे थे, दस्तावेजों पर धोखा

मनजीत के मुताबिक मृतक सुंदर सेना से सेवानिवृत्त होने के बाद से प्रॉपर्टी का कारोबार करते थे और उसका पूनम व उसके परिवार के लोगों के साथ करोड़ों के लेनदेन का विवाद चल रहा था। मनजीत ने आरोप लगाया कि उनके पिता के 4 से 5 करोड़ रुपये फंसे हुए थे। लेनदेन नकद और ऑनलाइन दोनों तरह से हुआ था। मनजीत ने बताया कि आरोपियों ने रुपये न लौटाने की सूरत में प्रॉपर्टी ट्रांसफर के दस्तावेजों पर साइन किए थे। लेकिन बाद में पता चला कि ऐसे ही दस्तावेज कई अन्य लोगों को भी दे रखे थे।

सुसाइड नोट में पूनम उसकी सास, ससुर व ड्राइवर का नाम

मनजीत के अनुसार सुसाइड नोट में पूनम, उसके ससुर होशियार सिंह, उसकी सास और एक ड्राइवर कुलदीप सिंह। मनजीत ने बताया कि ड्राइवर कुलदीप तो कई बार उसके पापा को फोन कर धमकी देता था। मनजीत ने बताया कि एक केस में पूनम पहले भी जेल जा चुकी है और वह कहती थी कि पहले भी कुछ नहीं बिगड़ा, और आगे भी कुछ नहीं बिगड़ेगा।

आरोपी के घर में मिला शव, पुलिस ने दर्ज किया केस

अतिरिक्त थाना प्रभारी बलवान सिंह ने बताया कि सुंदर पंघाल का शव विकास नगर स्थित होशियार सिंह के मकान के बाहर मिला है तथा मृतक की पेंट की जेब से सुसाइड नोट भी मिला है। इसमें दो महिलाओं सहित 4 लोगों के नाम लिखें गए हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस जांच कर रही है कि जिस मकान में शव मिला है, उसका मृतक सुंदर से कोई आर्थिक लेनदेन था या नहीं। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही आत्महत्या या हत्या की पुष्टि हो पाएगी।

कोर्ट परिसर में अफीम तस्करी का भंडाफोड़

हिसार। अफीम सहित पकड़ा गया आरोपी अमित।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

सिविल लाइन पुलिस ने कोर्ट परिसर में कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति के कब्जे से अफीम बरामद कर उसे गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही जांच के दौरान नशीले पदार्थ के मुख्य सप्लायर को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

सिविल लाइन थाना से पीएसअई सोहित के अनुसार उन्हें सूचना मिली थी कि कोर्ट परिसर में एक व्यक्ति नशीला पदार्थ लेकर घूम रहा है। सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने गेट नंबर-1 पर पहुंचकर संदिग्ध व्यक्ति को काबू किया। आरोपी की पहचान लितानी निवासी अमित के रूप में हुई। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से छह प्लास्टिक डिब्बियों में रखी हुई 54 ग्राम 25 मिलीग्राम अफीम बरामद हुई। पुलिस ने अफीम कब्जे में लेकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने नशीले पदार्थ के स्रोत का पता लगाते हुए मुख्य सप्लायर स्याहड़वा निवासी पवन उर्फ पौना को भी गिरफ्तार कर लिया।

गोल गप्पे विक्रेता के बेटे पर हमला करने वाले 3 आरोपी काबू, लोहे के डंडे और कार बरामद

हांसी। शहर थाना पुलिस ने त्रिकोना पार्क के समीप गोल गप्पे विक्रेता के बेटे पर जानलेवा हमला करने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान बोगा राम कॉलोनी निवासी तीन आरोपियों- तरुण, राहुल और अमित के रूप में हुई है। आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल दो लोहे के डंडे और भागने में प्रयुक्त कार भी बरामद कर ली है। मंडी सैनियान निवासी हरीश कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 2 जून की रात उसकी दुकान के बाहर तीन युवकों ने लोहे के डंडों से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया था। हरीश शहर के मशहूर गोल गप्पे विक्रेता का बेटा है। घायल को पहले नागरिक अस्पताल लाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर अग्रोहा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज, गवाहों के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश जहां तीनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

सिवानी में खादी रोजगार उत्सव 17 को, सीएम होंगे मुख्य अतिथि

- खादी के कारीगरों के जीवन उत्थान में मील का पत्थर साबित होगा 'खादी रोजगार उत्सव' : गोयल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिवानी मंडी

शहर के राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय देख खेल ग्राउंड में खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी), सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 17 जून को आयोजित होने वाला 'खादी रोजगार उत्सव' विशेषकर खादी से जुड़े कारीगरों के जीवन उत्थान में मील का पत्थर साबित होगा। इस कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि होंगे।

केवीआईसी अध्यक्ष मनोज गोयल ने बताया कि खादी भारतीय संस्कृति की पहचान है। खादी रोजगार उत्सव का उद्देश्य ग्रामीण उद्यमिता को प्रोत्साहन देकर स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ाना तथा कारीगरों को आधुनिक तकनीक एवं उपकरणों से सशक्त बनाना है। यह कार्यक्रम न केवल सिवानी बल्कि देशभर के खादी से संबंधित कारीगरों के जीवन उत्थान में मील का पत्थर साबित होगा और कारीगरों को नई दिशा प्रदान करेगा।

उन्होंने कहा कि खादी रोजगार उत्सव केवल मशीन वितरण कार्यक्रम नहीं हैं, बल्कि ये ग्रामीण भारत में रोजगार, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता के उत्सव है खादी को बढावा देने के लिए देशभर में समय समय पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

बास अनाज मंडी की बदहाली, लगे कूड़े के ढेर, प्रशासन अंजान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौंद

बास अनाज मंडी में गेहूं की फसल का पिछले काफी दिनों से उठान हो चुका हैं। मंडी बिल्कुल खाली पड़ी हुई हैं। अगर कोई मंडी को देखने के आए तो मंडी में लगे गंदगी के ढेर उनका स्वागत करते नजर आएंगे। इस बदहाली के मंडी का प्रबंधन जिम्मेवार है लेकिन उनको शायद ये गंदगी के लगे ढ़ेर नजर ही नहीं आते।

जानकारी के अनुसार गेहूं की फसल से पहले ही मंडी को साफ सफाई रखने का ठेका दे दिया जाता है और मंडी से गेहूं की फसल का उठान होने के बाद भी मंडी की सफाई कर दी जाती है। उसके बाद भी प्रशासन के अधिकारी मंडी का रखरखाव के लिए साफ सफाई रखने का काम जारी रखते हैं लेकिन बास अनाज मंडी की हालत इन दोनों देखे तो वह बदहाली की शिकार हो रही है। मंडी में जगह जगह पर गंदगी के ढेर लगे हुए हैं। बारिश का सीजन शुरू होने के बाद यह सारी गंदगी वहां पर लगे सीवर के पाइपों में घुस जाएगी और जलभराव की स्थिति पैदा हो जाएगी। आढ़तियों के अनुसार पिछले काफी दिनों से मंडी में सफाई नहीं हो पाई है जिसके कारण जगह पर गंदगी फैली हुई है।

नारनौंद। बास अनाज मंडी में गंदगी के लगे हुए ढेर।

सड़कों को पक्का करेंगे और पार्क बनाएंगे

मार्केट कमेटी के चेयरमैन शमशेर मोर ने बताया कि मंडी में जहां भी गंदगी पड़ी हुई है, उसे तुरंत उठवा दिया जाएगा। मंडी को पूरी तरह साफ-सुथरा रखने के लिए संबंधित अधिकारियों को सख्त आदेश जारी कर दिए गए हैं। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि अनाज मंडी में जल्द ही एक सुंदर पार्क का निर्माण किया जाएगा और मंडी की सभी सड़कों को पक्का किया जाएगा।

हमारे पास कोई शिकायत नहीं आई

मार्केट कमेटी के सचिव सतीश कुमार ने कहा कि कुछ ही जगहों पर मामूली गंदगी पड़ी हुई है, जिसे जल्द ही साफ करवा दिया जाएगा। मंडी में साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखा जाता है। अभी तक किसी भी आढ़ती की तरफ से हमारे पास कोई लिखित शिकायत नहीं आई है। मंडी में पीने के पानी सहित सभी आवश्यक सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा जा रहा है।

बरसाती जल निकासी प्रबंधों का विधायक ने किया निरीक्षण

- बरसात से पहले पूरी हों तैयारियां, कहीं जलभराव न हो : भयाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

विधायक विनोद भयाना ने शनिवार को अधिकारियों के साथ मेहंदा और ढाणी मेहंदा गांव के पास ड्रेनों का निरीक्षण किया। उन्होंने बरसाती जल निकासी प्रबंधों का जायजा लिया और सफाई कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान विधायक ने ड्रेनों में चल रहे सफाई कार्य को बारीकी से देखा। उन्होंने कहा कि बरसात से पहले सभी ड्रेनों की सफाई प्राथमिकता से पूरी की जाए। जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त रखना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है, इसमें लापरवाही स्वीकार नहीं होगी। विधायक ने अधिकारियों से कहा कि मानसून में किसानों और आम लोगों को जलभराव से परेशानी न हो, इसके लिए सभी विभाग समन्वय से काम करें। जिन जगहों पर गाद जमा है या जल प्रवाह बाधित है, वहां विशेष अभियान चलाकर सफाई पूरी की जाए। इस अवसर पर सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता विनोद वर्मा ने बताया कि ड्रेनों की सफाई का काम तेजी से चल रहा है और 20 जून तक पूरा कर लिया जाएगा। विधायक ने कहा कि सफाई के लिए अतिरिक्त मशीनरी या संसाधन चाहिए तो तुरंत बताएं, कमी नहीं रहने दी जाएगी। उन्होंने ड्रेनों की नियमित निगरानी और प्रगति समीक्षा के निर्देश भी दिए।

हांसी। अधिकारियों के साथ बरसाती ड्रेन का निरीक्षण करते विधायक विनोद भयाना।

मेहंदा जल घर में टैंक लबालब रखने के निर्देश

इसके बाद विधायक विनोद भयाना ने मेहंदा गांव के जल घर का दौरा किया। उन्होंने टैंकों में पानी की स्थिति देखी और जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि टैंकों में पानी की कमी न हो। इसके लिए तुरंत अस्थाई ट्यूबवेल लगवाकर टैंकों को पानी से लबालब रखा जाए। इस दौरान सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता विनोद वर्मा, एसडीओ विवेक गुप्ता समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

मतदाताओं के अधिकारों की हर हाल में रक्षा होनी चाहिए : चंद्रप्रकाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आदमपुर

विधायक चंद्रप्रकाश ने मंडी आदमपुर में जनता दरबार लगाकर जनता की समस्याएं सुनी और बूथ लेवल एजेंट प्रशिक्षण शिविर में पहुंचकर मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा का आह्वान किया। इसके साथ ही उन्होंने वाटर वर्क्स का अवलोकन किया और समुचित सफाई व्यवस्था शुरू करवाई। मंडी आदमपुर में ही आयोजित सम्मान समारोह में भी उन्होंने शिरकत की। जनता दरबार में लोगों ने बिजली, पेयजल व सडक़ों से संबंधित समस्याएं सामने रखी। चंद्रप्रकाश ने संबंधित अधिकारियों से बातचीत करके यथासंभव समस्याओं का मौके पर ही निदान किया और अन्य समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।

आदमपुर। वाटर वर्क्स का निरीक्षण करते विधायक चंद्रप्रकाश।

सफाई व्यवस्था पर जताया असंतोष

चंद्रप्रकाश ने मंडी आदमपुर के वाटर वर्क्स का औचक निरीक्षण भी किया। उन्होंने वाटर वर्क्स की सफाई व्यवस्था पर असंतोष जताते हुए संबंधित अधिकारियों से बातचीत करके तुरंत सफाई कार्य शुरू करवाया। इसके लिए बाकायदा जेसीबी से झाड़ियों व कचरे को हटाने का काम शुरू किया गया। इसके साथ ही वाटर वर्क्स की मरम्मत करवाने के भी उन्होंने निर्देश दिए। उन्होंने क्रांति चौक के पास निर्माणाधीन सडक़ का निरीक्षण भी किया।

निर्माण मजदूरों की डीसी कार्यालय मजदूर महापंचायत 10 जून को

हिसार। भवन निर्माण कामगार तहसील कमेटी की ओर से निर्माण मजदूरों की समस्याओं को लेकर आदमपुर के विधायक एवं कांग्रेस नेता चंद्र प्रकाश से मिले और उन्हें निर्माण मजदूरों की समस्याओं से अवगत कराया गया। कमेटी ने मांग की कि महापंचायत में शामिल होकर निर्माण मजदूरों की मांगों का समर्थन किया जाए और विधानसभा में निर्माण मजदूरों की समस्याओं को उठाया जाए। मजदूर प्रतिनिधियों ने कहा कि निर्माण मजदूरों के मुद्दों को लेकर उपायुक्त कार्यालय पर 10 जून को मजदूर महापंचायत का आयोजन किया जाएगा। प्रतिनिधि मंडल में राज्य प्रधान मनोज कुमार सोनी, हिसार तहसील प्रधान लीलूराम जांगड़ा, जिला सह सचिव वीरेंद्र दुर्जनपुर शामिल थे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005

योग से ही बनेगा स्वस्थ, समृद्ध और संस्कारित भारत

सावित्री जिंदल ने साधकों संग किया योगाभ्यास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में भारत स्वाभिमान न्यास, पतंजलि योग समिति, महिला पतंजलि योग समिति, युवा भारत एवं पतंजलि परिवार द्वारा जिलेभर में चलाए जा रहे योग जागरण अभियान के अंतर्गत शनिवार को विभिन्न स्थानों पर आयोजित योग शिविरों का समापन हुआ। वहीं अग्रवाल सेवा समिति अर्बन एस्टेट एवं पतंजलि परिवार के संयुक्त तत्वावधान में हुडा पार्क, अर्बन एस्टेट-2 में आयोजित विशेष योग प्रशिक्षण शिविर में विधायक सावित्री जिंदल ने मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता कर साधकों के साथ योगाभ्यास किया। मुख्य अतिथि सावित्री जिंदल ने अपने संबोधन में कहा कि स्वामी रामदेव के अथक प्रयासों से आज योग विश्वव्यापी जनआंदोलन बन चुका है। योग से ही स्वस्थ, समृद्ध और संस्कारित भारत बनेगा। योग केवल व्यायाम नहीं बल्कि सम्पूर्ण जीवन को स्वस्थ, संतुलित और सकारात्मक बनाने की जीवन पद्धति है।

डॉ. मुकेश कुमार ने कराया योगाभ्यास

शिविर में पतंजलि परिवार के जिला प्रभारी डॉ. मुकेश कुमार ने उपस्थित साधकों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम, मुद्राएं, बंध, एक्यूप्रेशर एवं अनेक स्वास्थ्यवर्धक योग क्रियाओं का अभ्यास करवाया। समिति प्रवक्ता सुरेन्द्र पानू हिन्दुस्तानी ने बताया कि इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पूर्व मेयर शकुंतला राजलीवाला तथा समिति के सदस्यों द्वारा हरित धरा – स्वच्छ गगन अभियान के अंतर्गत मुख्य अतिथि सावित्री जिंदल को पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया।

योग को अपनाएं, जीवन को सफल बनाए

हिसार। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में राजकीय महाविद्यालय, नलवा में नई शिक्षा नीति में योग शिक्षा की भूमिका विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. कमलेश दुहन ने मुख्य वक्ता का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन करके किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राजकीय महाविद्यालय, हांसी के सहायक प्रोफेसर अनिल कुमार रहे। प्राचार्या डॉ. कमलेश दुहन ने विद्यार्थियों को योग के महत्व से अवगत कराते हुए कहा कि योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य का माध्यम नहीं, बल्कि मानसिक शांति, आत्मविश्वास एवं सकारात्मक सोच विकसित करने का सशक्त साधन है। मुख्य वक्ता अनिल कुमार ने अपने व्याख्यान में नई शिक्षा नीति में योग शिक्षा की भूमिका पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि योग शिक्षा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, मानसिक एकाग्रता, आत्म-अनुशासन एवं सकारात्मक जीवन मूल्यों के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देती है।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 7 जून 2026

फीफा वर्ल्ड कप 2026
रोमांच-जुनून का ग्रैंड इवेंट

48 देशों के 1248 खिलाड़ी, फीफा वर्ल्ड कप-2026 को हासिल करने के लिए आगामी 11 जून से 19 जुलाई तक एक-दूसरे से मुकाबला करेंगे। इस दौरान सिर्फ आयोजक देशों में ही नहीं पूरी दुनिया में रोमांच और जुनून का सुरूर छाया रहेगा। इस ग्रैंड ग्लोबल स्पोर्ट इवेंट में इस बार क्या कुछ होगा खास, क्या होगा पहली बार, इसके तमाम पहलुओं पर एक नजर।

कवर स्टोरी
साशा

इसी सप्ताह 11 जून से फुटबॉल के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजन फीफा वर्ल्ड कप का आगाज हो रहा है, जो 19 जुलाई 2026 तक चलेगा। 11 जून से 19 जुलाई 2026 के बीच दुनिया फुटबॉल के रंग में रंगी रहेगी। भले भारत की फुटबॉल टीम अब तक के बेस्ट 48 टीमों वाले विश्व कप का हिस्सा न हो, लेकिन भारत भी इस जुनून का हिस्सा होगा। भारत में इस दौरान तूफानी दिन नहीं रातें होंगी, क्योंकि अमेरिका और लैटिन अमेरिका में फीफा वर्ल्ड कप के मैच जब खेले जाएंगे, उस समय भारत में दिन नहीं रात होगी।

दिखेगा खेलप्रेमियों का उमंग

फुटबॉल के इस विश्व कप को लेकर पूरी दुनिया में गहमा-गहमी अपने चरम पर पहुंच चुकी है। क्योंकि फुटबॉल के तूफान का रिश्ता सिर्फ खेल भर से नहीं होता, वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था, संचार, तकनीक, वैश्वीकरण, पर्यटन आदि से भी इसका उतना ही संबंध होता है, जितना खेल से। यही कारण है कि दुनिया की धड़कनें फुटबॉल को लेकर बहुत तेज हो चुकी हैं। आने वाले दिनों में स्टेडियमों की रोशनी आसमान को बार-बार चमकाती दिखाई देगी। सड़कों पर रात-रात भर जश्न होगा। करोड़ों और कई बार तो अरबों लोग एक साथ टीवी स्क्रीन से चिपके होंगे।

जुनून का महाविस्फोट

केवल रियल वर्ल्ड में ही नहीं सोशल मीडिया पर भी आगामी दिनों में हर दिन नया इतिहास लिखा जाएगा और ऐसा हो भी क्यों न? दुनिया का सबसे बड़ा खेल महाकुंभ के आयोजन में ऐसा होना स्वाभाविक ही है। जानकार जानते हैं कि यह सिर्फ फुटबॉल के रोमांच की उमंग भर नहीं होगी, इसमें शामिल होंगे भावनाओं के ज्वार-भाटे, राष्ट्रवाद, तकनीक, अरबों डॉलर का कारोबार, इस सबके चलते ग्लैमर और जुनून का महाविस्फोट साबित होगा 2026 का फीफा वर्ल्ड कप।

तीन देशों में होगा आयोजन

शायद यह अकेली ऐसी खेल घटना होगी, जिसकी गूंज इस वर्ल्ड कप के दौरान दुनिया के हर कोने में सुनी जाएगी। इस बार तो ऐसा इसलिए भी है, क्योंकि आज तक कभी भी 48 फुटबॉल टीमें एक साथ विश्व कप को जीतने मैदान में नहीं उतरी थीं। सिर्फ यही इस महाकुंभ की खासियत नहीं होगी बल्कि पहली बार इस खेल महाकुंभ का आयोजक कोई एक देश या दो देश नहीं बल्कि तीन देश होंगे। जी हां, जून 2026 से शुरू हो रहे फीफा वर्ल्ड कप फुटबॉल के मेजबान अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको होंगे यानी सही मायनों में यह रोमांच का ग्लोबल कर्निवाल होगा।

होंगे नए मेगा ग्लोबल एक्सपीरियंस

आकार में यह फुटबॉल विश्व कप अब तक सबसे बड़ा आयोजन होगा, क्योंकि इसमें 48 टीमें भाग ले रही हैं, जिनके 104 मुकाबले होंगे। इसके हर मुकाबले को देखने के लिए लाखों दर्शक स्टेडियमों में और करोड़ों टीवी स्क्रीन से सटे होंगे। अरबों लोग इसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर फॉलो करेंगे और हां, इस बार के फुटबॉल विश्व कप को जितने विज्ञापन मिले हैं और जितनी स्पोंसरशिप इस कप को मिली है, उतने विज्ञापन और स्पोंसरशिप आजतक दुनिया के किसी भी बड़े से बड़े टूर्नामेंट को नसीब नहीं हुए।

यह सचमुच फीफा के इतिहास का मेगा ग्लोबल एक्सपीरियंस होगा। यह ऐसा विश्व कप होगा, जिसमें एआई आधारित कैमरे, रियल टाइम डेटा एनालिसिस, स्मार्ट स्टेडियम और अत्याधुनिक प्रसारण तकनीक बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होगी यानी दर्शक सिर्फ मैच नहीं देखेंगे डिजिटल फुटबॉल के रोमांच से भी दो-चार होंगे। शायद इसलिए अब कहा जा रहा है फुटबॉल खेल नहीं, अब यह एक विश्व संस्कृति बन चुकी है और ऐसा हो भी क्यों न, फुटबॉल के अलावा और भला कौन-सा ऐसा खेल है, जो अमीर-गरीब, भाषा-धर्म और सीमाओं से उठकर लोगों को जोड़ देता है। ब्राजील की गलियों से लेकर अफ्रीका के गांवों तक यूरोप के पबों से लेकर भारत के कस्बों तक इस आगामी एक महीने तक हर जगह फुटबॉल का यह जुनून दिखेगा।

इकोनॉमी को मिलेगा बूम

इस बार का विश्व कप अरबों डॉलर फुटबॉल इकोनॉमी का मॉडल भी होगा यानी, यह केवल खेल नहीं बल्कि विशाल आर्थिक इंजन भी होगा। विशेषज्ञों के मुताबिक 2026 का फुटबॉल विश्व कप पर्यटन उद्योग, होटल व्यवसाय, एयरलाइंस, विज्ञापन, स्पोर्ट्स मर्चेनडाइज और डिजिटल स्ट्रीमिंग में रिकॉर्ड कारोबार पैदा करेगा।

भारत में भी बढ़ रही दीवानगी

खुशी की बात यह है कि भारत में भी फुटबॉल करवट ले रहा है। पिछले दशक में फुटबॉल का जुनून तेजी से बढ़ा है। इंडियन सुपर लीग और यूरोपीय क्लब फुटबॉल की लोकप्रियता में युवाओं में इस खेल को लेकर एक नई तरह की दीवानगी पैदा हुई है। केरल, पश्चिम बंगाल, गोवा और उत्तर-पूर्व के राज्यों में तो विश्व कप के दौरान किसी त्योहार के माफिक माहौल हो जाता है।

कई गांवों में तो ब्राजील और अर्जेंटीना के झंडे तक दिखाई देते हैं। यह राष्ट्रवाद के साथ कोई विश्वासघात नहीं बल्कि फुटबॉल के जुनून का नशा है। इस दौरान भारत में भी पूरे समय फुटबॉल का जुनून देखने को मिलेगा। दर्शकों और डिजिटल व्यूअरशिप की एक महाशक्ति है अपना देश, इस लिहाज से भारत भी इस विश्व कप का बड़ा और अंतरंग हिस्सा होगा। *

रोनाल्डो का होगा आखिरी वर्ल्ड कप!

2022 के फुटबॉल विश्व कप को लोगों ने लियोनेल मैसी के जादू के रूप में याद रखा। लेकिन 2026 का विश्व कप शायद नई पीढ़ी के उदय का मंच होगा। यह वह महाकुंभ होगा, जहां नई पीढ़ी अपने आगाज का शंखनाद करेगी और इस बार दुनिया की नजरें खासतौर पर इन खिलाड़ियों पर रहेंगी- क्यालियन मबापे, जूड बेलिंघम, एर्लिंग हालैंड और विनीसियस जूनियर। फुटबॉल के जानकार मान रहे हैं कि 2026 का फीफा विश्व कप पोस्ट मैसी-रोनाल्डो युग की असली शुरुआत होगा। हालांकि करोड़ों प्रशंसकों की उम्मीद है कि क्रिस्टियानो रोनाल्डो आखिरी बार विश्व कप में दिखेंगे। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक यह सौ फीसदी उम्मीद है कि रोनाल्डो अपना आखिरी विश्व कप खेलेंगे, जो कि संभवतः उनके करियर का आखिरी वर्ल्ड कप होगा। उनके होने की अभी तक उम्मीद इसलिए बरकरार है, क्योंकि वह लगातार पुर्तगाल की टीम का हिस्सा बने हुए हैं और पुर्तगाल ने विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। हाल में ईफा नेशनल लीग में भी रोनाल्डो ने शानदार प्रदर्शन किया है। इससे भी उनके होने की उम्मीद बनती है और ऐसा हुआ तो वह रिकॉर्ड छठा फीफा वर्ल्ड कप खेलेंगे। इसके पहले वह 2006, 2010, 2014, 2018 और 2022 का विश्व कप भी खेल चुके हैं। तो उम्मीद करिए कि यह रोनाल्डो की अंतिम महान यात्रा हो। पुर्तगाल के कप्तान ब्रूनो फर्नांडिस ने भी कहा है कि टीम रोनाल्डो को विश्व कप ट्रॉफी देकर विदा करेगी। दो दशकों से अधिक से रोनाल्डो इस महान खेल का हिस्स हैं, उन्होंने खेल से मिलने वाली लगभग हर चीज हासिल कर ली है। विभिन्न देशों के लीग खिताब, चैंपियंस लीग, बैलोन डि'ओर, अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड और एक ऐसा करियर जो 25वें सीजन तक फैला हुआ है और एक हजार गोलों की ओर बढ़ रहा है।

कविता
पुरुषोत्तम व्यास

पारिजात के फूल

बड़ा अजीब-सा महसूस करता
जब से उनके बारे में
जान पाया
निशा में खिलते
भोर में जाते झर
लगता
निशा में कोई उनसे अनुराग भरी
बातें करता होगा
सुबह फिर मिलने का वादा कर
चला जाता होगा
उसी प्रेम की याद में झर जाते होंगे
फिर भी
खिले-खिले मनभावन खुशबू लेकर
स्वर्ग लोक के फूल।

लघुकथा / संजीव ठाकुर

दुकानदार

एआई इमेज

वह कपड़ों की दुकान थी, जिसमें ज्यादातर पुरुषों के लिए पैंट और शर्ट के कपड़े मिलते थे। एक ग्राहक अकसर उस दुकान पर आया करता था। एक बार जब वह अपने लिए पैंट-शर्ट के कपड़े खरीद चुका, दुकानदार बोला, 'और कुछ चाहिए सर? हमारे यहां ओढ़ने-बिछाने की चादरें भी मिलती हैं। आप देखना चाहेंगे? शहर की किसी भी दुकान की तुलना में यहां चादरें आपको सस्ती पड़ेंगी! डबल बेड की चादरें दिखाऊं?' ग्राहक बहुत दिनों से ओढ़ने की चादरें लेना चाह रहा था, लेकिन उसे ढंग की चादरें नहीं मिल रही थीं। वह बोला, 'डबल बेड की तो रहने दीजिए, ओढ़ने की दिखाइए।' दुकानदार ने अपने स्टाफ से चादरें मंगवाईं और चादरों की तारीफ करते हुए ग्राहक को दिखाने लगा, 'देखिए, इसकी क्वालिटी देखिए-ए वन!' ग्राहक ने सिंगल कलर की चादरें लेने की सोच रखी थी, लेकिन चादर के एक ओर डिजाइन बना देखकर उसका मन डोलने लगा। उसने दुकानदार से कहा, 'यह तो मुझे ओढ़ने की नहीं बिछाने की चादर लग रही है!'

'नहीं सर, ओढ़ने की ही है। ये देखिए, इसके चारों किनारों को किस तरह सिला गया है?' ग्राहक का मन डोल ही रहा था कि दुकानदार ने चादरों की कीमत बता दी, 'सिर्फ साढ़े चार सौ में दो चादरें हैं सर!' चादरों की कीमत सुनकर ग्राहक को सुखद आश्चर्य हुआ। सचमुच इतनी कम कीमत में चादरों का मिलना मुश्किल था। उसने दुकानदार से पचास रुपए कम करवाकर चादरें ले लीं। कुछ महीनों बाद उसी ग्राहक को बिछाने की चादरों की दरकार हुई। वह उसी दुकान पर पहुंच गया। डबल बेड की दो चादरें लेने के बाद उसने सिंगल बेड पर बिछाने की चादरें दिखाने को कहा। दुकानदार ने चादरें मंगवाईं। ग्राहक उन्हें देखते ही बोला, 'ये बिछाने की हैं? पिछली बार तो आपने इसे ओढ़ने की कहकर मुझे दिया था?' 'ये चीज ही ऐसी है सर कि इसे ओढ़ने, बिछाने, दोनों कामों में लाया जा सकता है।' दुकानदार ने कहा और अपनी खीसें निपोर दीं! *

व्यंग्य / विनोद कुमार विक्की

कैमरा ऑन, स्माइल प्लीज!

अगली बार जब कोई कहे 'स्माइल प्लीज', तो समझ जाइए आपको कोई खुशी नहीं दी जा रही, आपकी 'छवि' ली जा रही है। आप खुश हों या न हों, अगर कैमरा सामने ऑन हो तो मुस्कुराना ही होगा।

गहन शोध, आधे-अधूरे निष्कर्ष और पूरे आत्मविश्वास के साथ यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि एक फिल्म का लोकप्रिय गीत 'मुस्कुराने की वजह तुम हो' वाला 'तुम' कोई इंसानी काया नहीं, बल्कि एक प्रभावशाली, किंतु भावशून्य उपकरण है। नब्बे फीसदी इंसान सिर्फ इसी उपकरण के सामने मुस्कुराते हैं। यह उपकरण कुछ और नहीं बल्कि कैमरा है। जी हां, वही कैमरा, जिसके सामने आते ही इंसान अपने समस्त दुःख-दर्द को ऐसे समेट लेता है, जैसे आम चुनाव के भाषण में नेताजी पिछले वर्ष की अधूरी घोषणाओं को समेट लेते हैं, और सरकार वित्तीय बजट में घाटा समेटती है। जैसे ही पेशेवर स्टूडियो के फोटोग्राफर द्वारा 'स्माइल प्लीज' का निर्देश प्राप्त होता है, या सेल्फी स्टिक पर टिके मोबाइल का फ्रंट कैमरा ऑन होता है, चेहरे पर जमी चिंता की धूल झट से उड़ जाती है और होंठों पर 3 से 5 सेंटीमीटर की मानक मुस्कान स्वतः चिपक जाती है।

यह मुस्कान इतनी अनुशासित होती है कि जाति, धर्म, लिंग, रंग, सब सीमाएं पार कर जाती है। नर, मादा, अन्य, काला, गोरा, सांवला आदि सबके चेहरे पर एक समान 'फोटो फ्रेंडली' लोकतंत्र दिखाई देता है। परंतु विडंबना देखिए, यह मुस्कान उतनी ही टिकाऊ होती है, जितने चुनावी वादे।

क्लिक होते ही मुस्कान का पुष्पक विमान सीधे वास्तविकता की शोक-वाटिका में क्रैश लैंडिंग कर देता है। फोटो में हम जितने खुश दिखते हैं, असलियत में उतने ही ईएमआई, महंगाई और बॉस के व्हाट्सएप मैसेज से त्रस्त होते हैं। उम्र से पहले ही जिम्मेदारी और परेशानियों के कारण चेहरे पर झुर्रियों की लक्ष्मण रेखाएं खिंच जाती हैं। सच तो यही है कि आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में मुस्कुराना एक 'इवेंट' बन चुका है, जो मुख्यतः कैमरे के सामने ही आयोजित होता है। लगता है जैसे भाग-दौड़ भरी जिंदगी और अति व्यस्तता के बीच मुस्कान ने स्वैच्छिक अवकाश ले रखा है।

कार्यालय में काम का दबाव, वरीय पदाधिकारी का तनाव, घर में 'घरेलू प्रेशर', बाजार की महंगाई और बैंक की ईएमआई, इन सबने मिलकर होंठों की नैसर्गिक पहचान यानी, मुस्कान को जैसे गिरवी रख दिया है। ऐसे में बेचारा इंसान जब-तब मुस्कुराने के लिए अवसर ढूंढ़ता फिरता रहता है। तभी संकटमोचक बनकर प्रकट होता है, कैमरा! वह बिना किसी शर्त के प्रेमी-प्रेमिका की भूमिका निभाते हुए सामने खड़ा हो जाता है और कहता है, 'आओ, लल्ला कुछ सेकेंड के लिए थोबड़े पर मुस्कुराहट लाओ ताकि हम उस छवि को कैद कर सकें।' बस फिर क्या, जो मुस्कान बेमियादी हड़ताल पर थी, वह भी तुरंत एक्टिव हो जाती है और चेहरे पर 'इमरजेंसी स्माइल' आ जाती है।

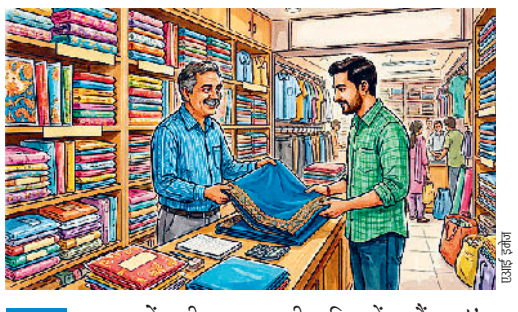

मजेदार बात यह है कि कैमरे के कारण हमें नकली मुस्कान हासिल होती है, जबकि कुछ घटनाएं स्वाभाविक (नेचुरल) मुस्कान का अवसर भी प्रदान करती हैं। दूसरों की असफलताओं पर, पड़ोसियों को दुःखी देखकर अथवा रिश्तेदारों के नुकसान या पतन पर भी एक हल्की-सी 'आंतरिक मुस्कान' जरूर उग आती है, जिसे हम सामाजिक संतुलन बनाए रखने के लिए चेहरे पर प्रकट नहीं होने देते। आत्मिक सुख के साथ हम मन ही मन उसका आनंद लेते रहते हैं। यद्यपि चलते-फिरते किसी परिचित चेहरे से सामना होने पर भी मुस्कुराने का अभिनय किया जाता है।

मुस्कुराहट के नवीनीकरण की जिम्मेदारी अब तो शहर में लगी तख्तियों ने अपने ऊपर ले रखी है, 'मुस्कुराइए, आप झुमरीतलैया में हैं', 'मुस्कुराइए, आप हाईटेक स्माइल सिटी में हैं!' असल में ये कोई साधारण संदेश नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अनुस्मारक हैं, 'भाई, यहां मुस्कुराना मत भूल जाना, वरना लोग पहचान लेंगे कि तुम सच में परेशान हो!' मनोचिकित्सक भी सलाह देते हैं, 'हंसते रहिए, मुस्कुराते रहिए।' इसी सलाह को उद्योग का रूप देते हुए लाफ्टर शो, हास्य कवि सम्मेलन और अब रील संस्कृति भी मैदान में उतर चुकी है। लोग हंसने के लिए वीडियो देखते हैं और वीडियो बनाने के लिए हंसते हैं, यह एक आत्मनिर्भर चक्र है। मुस्कान अब भाव नहीं, एक 'प्रोजेक्ट' बन चुकी है, जिसका उद्घाटन कैमरे के सामने होता है और समापन तुरंत बाद। इसलिए अगली बार जब कोई कहे 'स्माइल प्लीज', तो समझ जाइए आपको खुशी नहीं दी जा रही, आपकी 'छवि' ली जा रही है। अंततः निष्कर्ष यही है कि आप खुश हों या न हों, अगर कैमरा सामने ऑन हो तो मुस्कुराना ही होगा। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

स्मृतियों की कतरनें

वरिष्ठ साहित्यकार नवनीत मिश्र के छोटे-छोटे संस्मरणों की किताब 'कितना कुछ तो है' हाल में प्रकाशित होकर आई है। इसमें उन्होंने अपने बचपन से लेकर वर्तमान समय तक की छोटी-छोटी मधुर स्मृतियों की कतरनों को बहुत सलीके से संजोया है। इनसे गुजरते हुए यह साबित होता है कि उनके भीतर का सजग लेखक हमेशा, गहन संवेदनशीलता के साथ अपने जीवन में घटित होने वाली घटनाओं और लोगों को देखता, महसूसता और उनके संग जीता रहा है। इन संस्मरणों को लिखने का अंदाज कहीं भी बनावटी नजर नहीं आता है। अपने भीतर के कमजोर पक्षों को भी उन्होंने पूरी ईमानदारी से स्वीकार किया है। 'बहिन जी', 'चोर पकड़ा गया' और 'एक थे पलाली बाबू' में उनके बचपन की मासूमियत भरी छवि उजागर हुई है तो युवावस्था में कार्यक्षेत्र में 'रहमान साहब' जैसे लोगों ने उनको प्रभावित किया। इसी तरह रिटायरमेंट के बाद कार ड्राइविंग सीखने के दौरान प्रशिक्षक से मिला अनुभव 'बैकव्यू मिरर' भी वे भूल नहीं पाए।

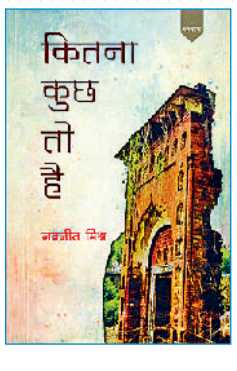

आमतौर पर साहित्यिक संस्मरण प्रसिद्ध हस्तियों पर केंद्रित होते हैं, लेकिन इस पुस्तक के संस्मरणों में जिस तरह से लेखक ने अपने जीवन में शामिल रहे सामान्य लोगों को सहृदयता से याद किया है, वह उनके भावुक व्यक्तित्व का परिचायक है। अपनी कहानियों की ही तरह बहुत सरल, सहज शैली में लिखे उनके ये संस्मरण, मन को छू लेते हैं। यह भी कह सकते हैं कि इन संस्मरणों में नवनीत जी की आत्मकथा स्पष्ट तौर पर झांकती हुई नजर आती है। *

पुस्तक: कितना कुछ तो है (संस्मरण), **लेखक:** नवनीत मिश्र, **मूल्य:** 450 रुपए, **प्रकाशक:** भावना प्रकाशन, दिल्ली

शिमला समर फेस्टिवल – 2026

सजेगी सांस्कृतिक रंगों की छटा

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में आयोजित होने वाले सबसे बड़े सांस्कृतिक उत्सवों में से एक है इंटरनेशनल शिमला समर फेस्टिवल। कल से शुरू हो रहे इस आयोजन में देश-विदेश के पर्यटक हिमाचल समेत देश की विविधरंगी संस्कृति की मोहक छटा से रूबरू हो सकेंगे। इस आयोजन की खासियतों पर एक नजर।

कल्चरल इवेंट
धीरज बसाक

जून की तपती गर्मी जब उत्तर भारत के मैदानी इलाकों को झुलसाने लगती है, तब हिमालय की गोद में बसा शिमला रंगों, संगीत और लोक संस्कृति के एक उत्सवी खुमार में डूब जाता है। आगामी 8 से 12 जून तक आयोजित होने वाला इंटरनेशनल शिमला समर फेस्टिवल इस बार केवल एक पर्यटन आयोजन नहीं बल्कि हिमाचल की सांस्कृतिक पहचान और लोकजीवन का एक बड़ा उत्सव बनकर सामने आ रहा है।

साढ़े छह दशक पुराना उत्सव: शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान और माल रोड पर होने वाला यह पांच दिनों का सांस्कृतिक महोत्सव, देशभर के पर्यटकों, कलाकारों और संस्कृति प्रेमियों को आकर्षित करता है। सन् 1960 में शुरू हुआ यह उत्सव, हिमाचल प्रदेश के सबसे पुराने सांस्कृतिक आयोजनों में से एक है। इसकी शुरुआत राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने और स्थानीय संस्कृति को मंच देने के उद्देश्य से की गई थी। समय के साथ यह आयोजन इतना लोकप्रिय हो गया कि आज इसे उत्तर भारत के प्रमुख ग्रीष्मकालीन सांस्कृतिक महोत्सवों में गिना जाता है।

शिमला समर फेस्टिवल इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह उस भारत की तस्वीर प्रस्तुत करता है, जो आधुनिकता के साथ अपनी सांस्कृतिक जड़ों को भी संजोए रखना चाहता है। हिमालय की ठंडी हवाओं के बीच लोकनृत्य, संगीत, कला और परंपरा का यह संगम साबित करता है कि संस्कृति केवल इतिहास नहीं बल्कि वर्तमान और भविष्य की बड़ी ताकत है।

सांस्कृतिक विविधता के होंगे दर्शन: शिमला समर फेस्टिवल की सबसे बड़ी पहचान उसकी सांस्कृतिक विविधता है। यहां केवल हिमाचली लोककला ही नहीं बल्कि देश के विभिन्न राज्यों की लोक परंपराएं भी एक मंच पर दिखाई देती हैं। इस बार उत्तराखंड का चोलिया नृत्य, जम्मू-कश्मीर का गोजरी नृत्य, राजस्थान का भवई और घूमर नृत्य के साथ ही तिब्बती सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को भी शामिल किया जाएगा। इससे यह आयोजन देश की मिली-जुली संस्कृतियों की झांकी दिखाएगा। हिमाचल की प्रसिद्ध महानाटी और पारंपरिक नाटी नृत्य इस उत्सव का मुख्य आकर्षण माने जाते हैं। नाटी केवल एक लोकनृत्य नहीं बल्कि पहाड़ी समाज की सामूहिक सांस्कृतिक स्मृति है, जब सैकड़ों कलाकार एक साथ पारंपरिक वेशभूषा में नृत्य करते हैं, तो पूरा रिज मैदान जीवंत लोकचित्र में बदल जाता है। यही दृश्य हर वर्ष हजारों पर्यटकों को आकर्षित करता है।

नाटी लोकनृत्य करते स्थानीय कलाकार

होता है विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

आयोजित होते हैं ट्रेडिशनल फैशन शोज

माल रोड पर फेस्टिवल का विहंगम दृश्य

कलाकारों को मिलेगा अवसर: आयोजकों के अनुसार, इस साल लोकप्रिय गायकों और लोक कलाकारों की प्रस्तुतियां हर शाम आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा युवा कलाकारों को भी मंच दिया जाएगा। आयोजन के दौरान इस तरह की पहल स्थानीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय पहचान दिलाने में मदद करेगी।

अर्थव्यवस्था में योगदान: यह उत्सव केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है। इसके माध्यम से स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलती है। होटल, टैक्सी, रेस्त्रां, हस्तशिल्प व्यवसाय और स्थानीय बाजारों में पर्यटकों की संख्या बढ़ने से आय में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। शिमला का प्रसिद्ध लक्कड़ बाजार, हस्तनिर्मित लकड़ी के उत्पादों और स्थानीय शॉलों के लिए जाना जाता है, जहां इस दौरान काफी भीड़ दिखाई देती है। फूड फेस्टिवल भी इस आयोजन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यहां पर पर्यटकों को पारंपरिक हिमाचली व्यंजन जैसे सिड्डू, मदरा, बबरू और धाम का स्वाद लेने का अवसर मिलता है।

सांस्कृतिक संरक्षण का महत्वपूर्ण माध्यम: शिमला समर फेस्टिवल, केवल एक पर्यटन कार्यक्रम नहीं है बल्कि यह सांस्कृतिक संरक्षण का महत्वपूर्ण माध्यम है। तेजी से बदलती जीवनशैली और डिजिटल मनोरंजन के दौर में ऐसे आयोजन स्थानीय परंपराओं को जीवित रखने का काम करते हैं। युवा पीढ़ी यहां लोकनृत्य, लोकसंगीत और क्षेत्रीय कलाओं से परिचित होती है, जिससे सांस्कृतिक विरासत आगे बढ़ती है। शिमला का रिज मैदान ब्रिटिश काल से ही विभिन्न तरह की सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र रहा है। यह ऐतिहासिक स्थल आज भी शहर की सांस्कृतिक पहचान बना हुआ है। इंटरनेशनल शिमला समर फेस्टिवल के दौरान जब शाम ढलते ही रोशनी से जगमगाता रिज मैदान, लोकसंगीत की धुनों से गूंजता है तो शिमला ही नहीं पूरे हिमाचल प्रदेश की उत्सवधर्मिता देखते ही बनती है। *

खास है इस बार का आयोजन

इस साल का इंटरनेशनल शिमला समर फेस्टिवल, कई दृष्टियों से खास और अलग होगा। इस आयोजन में लोकनृत्य, संगीत प्रस्तुतियां, कला प्रदर्शनियां, फ्लावर शो, फूड फेस्टिवल, ट्रेडिशनल माउंटेनियरिंग फैशन शो और विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक झलकियां देखने को मिलेंगी। इसके साथ ही पहली बार 'राइड ऑफ सेवन हिल्स' नामक हेलिकॉप्टर जॉय राइड भी शामिल की जा रही है, जिसके जरिए पर्यटक शिमला की सात पहाड़ियों का हवाई दृश्य देख सकेंगे।

सेल्फ मोटिवेशन
शिखर चंद जैन

सफलता पाने के लिए टैलेंट और हार्ड वर्क तो जरूरी है ही, इसके साथ बिहेवियर कल्चर यानी व्यवहार संस्कृति भी मायने रखती है। क्या है बिहेवियर कल्चर, सक्सेस में क्या होती है इसकी भूमिका, आपको जरूर जानना चाहिए।

सक्सेस के लिए वर्क के साथ बिहेवियर कल्चर भी जरूरी

अधिकांश लोग मानते हैं कि सफलता सिर्फ प्रतिभाशाली यानी टैलेंटेड लोगों को ही मिलती है। लेकिन सच यह है कि सफलता सिर्फ टैलेंट से नहीं, बल्कि वर्क और बिहेवियर कल्चर से भी प्रभावित होती है। इन दोनों क्वालिटीज को अपनाकर एक औसत दर्जे का व्यक्ति या ऐसे लोगों की टीम भी सफलता हासिल कर सकती है। 'वर्क कल्चर' के बारे में तो लोग फिर भी जानते हैं लेकिन बिहेवियर कल्चर यानी व्यवहार संस्कृति को लेकर आपके मन में जिज्ञासा हो सकती है, इसलिए इसे समझना भी जरूरी है।

क्या होता है बिहेवियर कल्चर

बिहेवियर कल्चर का तात्पर्य उन तौर-तरीकों, सामाजिक मानदंडों, मूल्यों और आचरण के नियमों से है, जो किसी समाज या समूह में व्यक्तियों के एक-दूसरे के साथ बातचीत करने और प्रतिक्रिया देने के तरीके को निर्मित करते हैं। डैनियल कॉयल ने अपनी पुस्तक 'द कल्चर कोड' में बेहतरीन टीमों और समूहों के सफल होने के पीछे के रहस्यों को उजागर किया है। डैनियल ने दुनिया की सबसे सफल टीमों का अध्ययन कर पाया कि उनकी सफलता तीन स्तंभों पर टिकी है-

सुरक्षा का निर्माण: टीम के सदस्यों को यह महसूस कराना कि वे सुरक्षित हैं और एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

कमियों को साझा करना: अपनी कमियों को स्वीकार करना ताकि आपसी विश्वास, सहयोग बढ़े।

उद्देश्य स्थापित करना: वर्तमान काम को भविष्य के एक साझा लक्ष्य या उद्देश्य से जोड़ना।

ऐसे अपनाएं बिहेवियर कल्चर

आप अपनी प्रोफेशनल या बिजनेस करियर में बिहेवियर कल्चर को कुछ इस तरह लागू कर सकते हैं-

अपनी कमियों को स्वीकारें: अकसर लोग अपनी गलतियों को छुपाते हैं ताकि वे कमजोर न लगें। लेकिन शोध बताते हैं कि जब लीडर अपनी कमजोरी साझा करता है, तो टीम के बीच परस्पर खुलापन और विश्वास बढ़ता है। जब आप कहते हैं, 'मैंने यहां गलती की, आपकी क्या राय है?' तो आप दूसरों को मदद करने और ईमानदारी दिखाने के लिए आमंत्रित करते हैं।

सुनने की कला विकसित करें: जब आप ध्यान से सुनते हैं, तो आप टीम में अपना महत्व बढ़ा लेते हैं। सुनते समय लोगों को बीच में न टोकें और वक्ता के विचारों को विस्तार देने वाले प्रश्न पूछें। जब कोई व्यक्ति महसूस करता है कि उसे गहराई से सुना गया है, तो उसका जुड़ाव और जिम्मेदारी का भाव बढ़ जाता है।

साझा लक्ष्य की शक्ति: यदि सबको पता है कि मंजिल कहां है, तो रास्ता आसान हो जाता है। अपनी टीम को याद दिलाते रहें कि उनका काम बड़े लक्ष्य में कैसे योगदान दे रहा है। टीम को सिर्फ 'क्या करना है' न बताएं, बल्कि 'क्यों करना है' पर भी जोर दें।

अहंकार को दूर रखें: सफल व्यवहार संस्कृति में 'पद' से ज्यादा 'विचार' को महत्व दिया जाता है। जहां हर व्यक्ति को अपनी बात रखने की आजादी होती है, वहीं नए आइडियाज जन्म लेते हैं।

छोटे व्यवहार, बड़ा बदलाव: समय पर आना, दूसरों की मेहनत की सराहना करना और कठिन समय में साथ खड़े होना। ये छोटी-छोटी आदतें और व्यवहार निवेश की तरह हैं, जो भविष्य में टीम की मजबूती के रूप में 'कंपाउंड इंटरेस्ट' देते हैं।

नकारात्मकता पर लगाएं लगाम: अगर कोई व्यक्ति लगातार नकारात्मकता फैला रहा है या दूसरों को नीचा दिखा रहा है, तो ऐसे व्यवहार को तुरंत नकारें ताकि समूह की सामूहिक ऊर्जा और विश्वास सुरक्षित रहे।

फीडबैक का सही तरीका अपनाएं: किसी को उसकी गलती नीचा दिखाने या डांटने के लिए नहीं बल्कि सुधार और उसे क्षमताओं का पूरा इस्तेमाल करने की प्रेरणा देने के लिए बताएं। गलती बताते हुए हमेशा यह जताएं कि आप फीडबैक इसलिए दे रहे हैं क्योंकि आपको उनकी क्षमता पर भरोसा है। *

ट्रेडिशन / अभिव्यक्ति त्रिवेदी

भारत समेत दुनिया के कई देशों के जनजातीय समुदायों में महिलाओं के लिए कुछ अजीबो-गरीब और कष्टप्रद परंपराएं प्रचलित हैं। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

अजब-अनोखी जनजातीय परंपराएं

प्राचीन काल से ही भारत सहित दुनिया के कई देशों में रहने वाले जनजातीय समाजों में अनेक ऐसी परंपराएं मौजूद रही हैं, जो शारीरिक तौर पर बहुत तकलीफदेह होती हैं। इनमें भी ज्यादातर पैनिक ट्रेडिशंस महिलाओं से जुड़ी हैं। ऐसी ही कुछ अजीबो-गरीब ट्रेडिशंस के बारे में यहां बता रहे हैं।

गले में धातु के छल्ले: म्यांमार देश में रहने वाली कायन जनजाति की महिलाएं अपने गले में पीतल या ब्रास धातु के बने छल्ले पहनती हैं। कहा जाता है कि इससे उनकी गर्दन जिराफ की गर्दन की तरह लंबी हो जाती है। ब्रास या पीतल की धातु के इन छल्लों का वजन करीब 20 किलो तक होता है। इसी से आप अंदाजा लगा सकते हैं कि इनको पहनकर महिलाएं कैसे रहती होंगी और कैसे खेतों में काम करती होंगी। वे महिलाएं अपने गले में ये छल्ले एक के ऊपर एक करके पहनती हैं। इसमें नीचे सबसे बड़े आकार का छल्ला होता है और ऊपर की तरफ पहने जाने वाले छल्ले छोटे होते जाते हैं। वहां पर बचपन से ही लड़कियों के गले में छल्ले डालने लगते हैं, जिससे उनके गले का आकार सुराहीनुमा और लंबा होता जाता है।

इस प्रथा के शुरू होने के पीछे यह मान्यता थी कि लंबी गर्दन वाली महिलाएं बदसूरत नजर आएंगी तो उसे दूसरी जनजाति के लोग अगवा नहीं करेंगे। इस तरह वो खुद को सुरक्षित रखने के लिए गर्दन लंबी करती थीं। इसके पीछे की एक मान्यता यह भी है कि जिन जंगली गांवों में ये लोग रहते हैं, वहां बाघ भी पाए जाते हैं, जो अकसर इंसानों पर हमला कर देते हैं। हमले में बाघ सबसे पहले इंसान की गर्दन पर हमला करते हैं, इसलिए यहां की महिलाओं ने अपने गले को धातु के छल्लों से ढंकना शुरू कर दिया।

काले दांत की परंपरा: ऐतिहासिक प्रमाणों के अनुसार जापान में रहने वाली कुछ जनजातीय महिलाएं विवाहित होने पर अपने दांतों को काले रंग से रंगती थीं, जिसे 'ओहागुरो' कहा जाता था। ओहागुरो में महिलाओं द्वारा लोहे के बुरादे और सिरके के मिश्रण से दांतों को काला किया जाता था।

9वीं से 19वीं शताब्दी तक प्रचलित रही यह प्रथा सुंदरता, विवाह और उच्च सामाजिक स्थिति का प्रतीक थी। दांत काले करने का सबसे बड़ा उद्देश्य दांतों की सुरक्षा करना हुआ करता था। यह दांतों की सड़न को रोकने में मदद करती थी। इसमें उपयोग होने वाले मिश्रण में लौहतत्व और हर्बल टैनिन होते थे, जो दांतों को मजबूत बनाते और कीड़ों से बचाते थे। इसे आधुनिक डेंटल सीलेंट के समान माना जाता है।

जापान के अलावा वियतनाम, थाईलैंड, लाओस तथा फिलीपींस की हिल ट्राइब्स में भी ये परंपरा प्रचलित थी। यही नहीं, इंडोनेशिया और पेरू में जनजातियों द्वारा सांस्कृतिक पहचान के रूप में भी इसे अपनाया जाता था। हालांकि 1870 में जापान में इस परंपरा पर प्रतिबंध लगा दिया गया। दरअसल, पश्चिमी सौंदर्य मानकों और वहां की महारानी के बिना काले किए दांत दिखने के बाद यह बदलाव आया। धीरे-धीरे यह प्रथा केवल नाटकों और त्योहारों तक सीमित हो गई। आजकल, ओहागुरो को केवल कुछ जापानी त्योहारों, ऐतिहासिक फिल्मों आदि में ही देखा जा सकता है।

होंठों में प्लेट: इथियोपिया के ओमो घाटी में रहने वाली जनजातियों में से एक है मुर्सी जनजाति। ये लोग कई तरह के पारंपरिक वस्त्र और आभूषण पहनते हैं। इस जनजाति की महिलाओं द्वारा निचले होंठ में मिट्टी या लकड़ी की प्लेट (डिस्क) पहनना सुंदरता, परिपक्वता और सामाजिक स्थिति का प्रतीक माना जाता है। 15 से 16 साल की उम्र की लड़कियों में इस परंपरा को किया जाता है। इसमें निचले होंठ को काटा जाता है, फिर घाव भरने तक गीले कपड़े से ढंककर रखा जाता है। फिर उसमें प्लेट फंसा दी जाती है। होंठ को खींचकर उसमें प्लेट डालने की यह प्रक्रिया बेहद दर्दनाक होती है।

होंठों में प्लेट पहनने का चलन अविवाहित लड़कियों और नवविवाहित महिलाओं में अधिक देखने को मिलता है। आमतौर पर इन्हें पुरुषों को भोजन परोसने, गायों का दूध दुहने और शादी जैसे महत्वपूर्ण अनुष्ठानों के दौरान पहना जाता है। इस प्लेट के कई अर्थ हैं। पहला, यह अत्यधिक सुंदरता का प्रतीक है। दूसरा, यह पति के प्रति निष्ठा का भी प्रतीक है इसीलिए पति को भोजन परोसते समय इसे बड़े गर्व से पहना जाता है। *

नाक में लकड़ी के प्लग लगाना

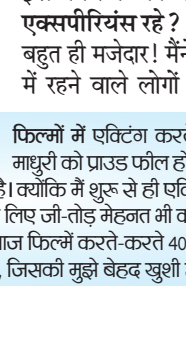

अपने देश के खूबसूरत राज्य अरुणाचल प्रदेश की घाटियों में रहने वाली अपतानी जनजाति अपनी अनोखी संस्कृति और परंपराओं के लिए मशहूर है। इस जनजाति की महिलाओं में चेहरे पर टैटू और नाक में दोनों ओर काली लकड़ी के प्लग लगाने की परंपरा रही है। यह अनोखी प्रथा इन्हें अन्य समुदायों से अलग करती है और उनकी एक अलग पहचान बनाती है। जहां आमतौर पर महिलाओं में नाक छिदवाना सुंदरता का प्रतीक माना जाता है, वहीं इन जनजातियों में यह प्लग पहनना आकर्षण और विशेष सौंदर्य का प्रतीक माना जाता है।

बीते 4 जून को माधुरी दीक्षित नेने की फिल्म 'मां-बहन' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है। फिल्म में दो यंग बेटियों की सिंगल मदर का रोल उन्होंने क्या सोचकर एक्सेप्ट किया? लंबे गैप के बाद कॉमेडी करके उन्हें कैसा लगा? फिल्मों में चार दशक गुजारने पर वे कैसा फील करती हैं? फिल्म और करियर से जुड़ी बातचीत माधुरी दीक्षित नेने से।

फिल्म 'मां-बहन' में मैं बिंदास मां बनी हूं: माधुरी दीक्षित नेने

खास मुलाकात / आरती सक्सेना

बॉलीवुड दिवा माधुरी दीक्षित नेने, अपनी खूबसूरत मुस्कान, शोख अदाओं और कमाल की अभिनय क्षमता के बल पर सालों से दर्शकों को दीवाना बनाती आई हैं। हर रोल को वह बेहतरीन तरीके से परफॉर्म करती हैं। माधुरी की एक्टिंग परफॉर्मेंस का कमाल एक बार फिर नेटफ्लिक्स पर हाल ही में रिलीज फिल्म 'मां-बहन' में दर्शकों को देखने को मिल रहा है। इस फिल्म में माधुरी दो बेटियों की सिंगल मदर का किरदार निभा रही हैं। लेकिन यह सिंगल मदर बेचारी नहीं बल्कि शोख अदाओं का जादू बिखेरने वाली बिंदास और सशक्त मां है। फिल्म में माधुरी के साथ तृप्ति डिमरी, रवि किशन, धरना दुर्गा, गीतांजलि कुलकर्णी, शार्दुल भारद्वाज और अरुणोदय सिंह भी हैं। इस फिल्म की कहानी पूजा तोलानी और सुरेश त्रिवेणी ने लिखी है। फिल्म को डायरेक्ट किया है सुरेश त्रिवेणी ने। पेश है माधुरी दीक्षित नेने से इस फिल्म को लेकर हुई बातचीत के प्रमुख अंश-

नेटफ्लिक्स पर रिलीज फिल्म 'मां-बहन' में कौन-सी बात आपको ऐसी लगी, जो आपने फिल्म में दो जवान बेटियों की सिंगल मदर की भूमिका निभाने का मन बना लिया?

इस फिल्म में भले ही मैं दो बेटियों की सिंगल मदर हूं, लेकिन मैं बेचारी और दुखियारी मां नहीं हूं, बल्कि इस फिल्म में मैं ऐसी मां बनी हूं, जो अपनी उम्र की परवाह न करते हुए एकदम ग्लैमरस और बिंदास दिखती है। फिल्म में मेरे किरदार का नाम रेखा है। रेखा अपना परिवार चलाने के लिए कभी साइबर कैफे तो कभी वाइन शॉप में काम करती है। साथ ही अपनी अदाओं से मर्दों को घायल करके अपना उल्लू भी सीधा कर लेती है। मेरा किरदार इस फिल्म में परंपरागत मां से बिल्कुल अलग है। मैं इस फिल्म में जिंदगी को पूरी तरह जीने वाली बिंदास मां बनी हूं। यह अपने आप में एकदम अलग भूमिका है और मजेदार भी। मुझे खुशी है कि मेरी इस फिल्म 'मां बहन' को दर्शकों का प्यार मिल रहा है। क्रिटिक्स को भी फिल्म पसंद आ रही है, इसे अच्छे रिव्यूज और रेटिंग्स मिल रहे हैं।

क्या इस फिल्म का टाइटल 'मां-बहन' आपको बहुत अटपटा नहीं लगा?

फिल्म के डायरेक्टर और को-राइटर सुरेश त्रिवेणी जब पहली बार मुझे इस फिल्म की कहानी सुनाने आए तो मैंने फिल्म का टाइटल पूछा। जब सुरेश जी ने फिल्म का टाइटल 'मां बहन' बताया तो मुझे लगा कि वह मजाक कर रहे हैं। लेकिन जब मैंने इस फिल्म की कहानी सुनी तो मुझे फिल्म का टाइटल सही लगा, क्योंकि यह टाइटल फिल्म की कहानी से पूरी तरह रिलेट करता है।

फिल्म के एक सीन में तृप्ति डिमरी, धरना दुर्गा के साथ माधुरी दीक्षित

आप इस फिल्म में काफी समय बाद कॉमेडी करती दिखीं। कैसा अनुभव रहा?

मुझे हमेशा से कॉमेडी फिल्म में काम करना पसंद रहा है। जब मुझे 'मां-बहन' फिल्म ऑफर हुई तो मुझे इसकी कहानी बहुत अच्छी लगी, क्योंकि इस फिल्म में लड़कियों और महिलाओं की भावनाओं को हास्य रूप में प्रस्तुत करते हुए एक बेहतरीन भावनात्मक कहानी को पेश करने की कोशिश की गई है। यह एक ऐसी फिल्म है, जो जिंदगी के कई रंगों को प्रस्तुत करती है। इस फिल्म के जरिए मेरी डार्क कॉमेडी में एंट्री हुई है। इस फिल्म में क्राइम, थ्रिल और इमोशंस के साथ-साथ कॉमेडी को भी डिफरेंट तरीके से प्रस्तुत किया गया है। यह पूरी फैमिली के साथ बैठकर देखी जाने लायक एंटरटेनमेंट से भरपूर फिल्म है।

इस फिल्म की शूटिंग के दौरान कैसे एक्सपीरियंस रहे?

बहुत ही मजेदार! मैंने इसमें एकदम उत्तर प्रदेश में रहने वाले लोगों की स्टाइल में डायलॉग्स बोले हैं, जिसमें मुझे बहुत मजा आया। सेट पर माहौल बहुत अच्छा रहता था। फिल्म में मेरी बेटियों का रोल निभा रहीं तृप्ति डिमरी और धरना दुर्गा के साथ मैं खूब मस्ती-मजाक करती थी। चूंकि यह फिल्म सस्पेंस मर्डर और कॉमेडी से भरपूर मजेदार कहानी है, इसलिए सेट पर माहौल भी पॉजिटिव और हंसी-मजाक वाला रहता था। सुरेश त्रिवेणी बहुत ही अच्छे कहानीकार और डायरेक्टर हैं, वो सेट पर हमेशा हल्का-फुल्का और पॉजिटिव माहौल रखते थे।

जब आप अपने फिल्मी सफर को याद करती हैं तो किन फिल्मों को लेकर आपको बेहद खुशी होती है?

मेरी कई ऐसी फिल्में हैं, जो सिर्फ सफल ही नहीं हुईं बल्कि जिसने मुझे और मेरे किरदार को भी यादगार बनाया, 'देवदास', 'हम आपके हैं कौन', 'तेजाब', 'दिल तो पागल है' ऐसी कितनी ही फिल्में हैं, जिनमें अभिनय करके मुझे संतुष्टि और खुशी मिली।

आप पर फिल्माए गए कई गाने आज भी पॉपुलर हैं, जैसे 'धक-धक करने लगा', 'चोली के पीछे क्या है' आदि। इन सॉन्ग्स को लेकर आप क्या कहेंगी?

मुझे खुशी होती है कि मेरे ऊपर फिल्माए गए गाने आज की पीढ़ी भी पसंद करती है। मैं जिस भी पार्टी फंक्शन में जाती हूं, वहां 'धक धक' गाने पर लड़कियों का डांस मुझे देखने को मिलता है। मैं खुद कई बार इस गाने पर पार्टी फंक्शन में डांस कर चुकी हूं। इसी तरह 'एक दो तीन', 'चोली के पीछे क्या है', 'चने के खेत में' और 'डोला रे डोला' जैसे सभी गाने आज भी पॉपुलर हैं, यह देखकर खुशी मिलती है। *

एक्टिंग करते बीत गए 40 साल

फिल्मों में एक्टिंग करते 40 साल बीतने पर क्या माधुरी को प्राउड फील होता है, पूछने पर वह कहती हैं, 'प्राउड तो नहीं कह सकती हां, खुशी जरूर होती है। क्योंकि मैं शुरू से ही एक्टिंग लाइन में आना चाहती थी। मैंने अपने आपको फिल्मों में स्टेब्लिश करने के लिए जी-तोड़ मेहनत भी की है। शुरुआत में तो लगता था कि पता नहीं मैं सफल होऊंगी या नहीं, लेकिन आज फिल्में करते-करते 40 साल निकल गए और इन सालों में मैंने कई बेहतरीन और यादगार फिल्में की, जिसकी मुझे बेहद खुशी है।